NEET Paper Leak मामलों में छात्रों का देशव्यापी विरोध प्रदर्शन अभी भी जारी है। हालांकि ऍंघ ने नीट मामले में कमान संभाल ली है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:193 दिनांक:24-06-2024 सोमवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

बॉलीवुड इंडस्ट्री में एक बार फिर से सेलेब्स की जोड़ी बन गई है। एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और एक्टर जहीर इकबाल ने हमेशा-हमेशा के लिए दूसरे का हाथ थाम लिया है।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र आज से,आज से दो दिन सांसद लेंगे शपथ, 26 को स्पीकर का चुनाव

नई दिल्ली(ईएमएस)। 18वीं लोकसभा को पहला सत्र सोमवार से शुरू होगा। सत्र यह 3 जुलाई तक चलेगा। 10 दिन में कुल 8 बैठकें (29-30 जून को छुट्टी) होंगी। सोमवार को सबसे पहले प्रोटेम स्पीकर भर्तुहरि महताब राष्ट्रपति भवन जाकर शपथ लेंगे। इसके बाद वे सुबह 11 बजे लोकसभा पहुंचेंगे। शुरुआत के दो दिन, यानी 24 और 25 जून को प्रोटेम स्पीकर नए सांसदों को शपथ दिलाएंगे। इसके बाद 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होगा। वहीं 27 जून को राज्यसभा का 264वां सत्र शुरू होगा। इसी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा-राज्यसभा के जॉइंट सेशन को संबाधित करेंगी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी बोलेंगे।

सत्र के आखिरी दो दिन राष्ट्रपति के अभिभाषण पर सरकार धन्यवाद प्रस्ताव लाएगी और दोनों सदनों में चर्चा होगी। 10 साल बाद पहली बार पीएम मोदी के सामने मजबूत विपक्ष होगा। पिछले हफ्ते नीट परीक्षा में हुई गड़बड़ी, तीन क्रिमिनल लॉ, लोकसभा चुनाव के बाद शेयर बाजार में हुई गड़बड़ी के आरोपों पर विपक्ष इस बार हंगामा कर सकता है। पिछली 17वीं लोकसभा की तुलना में 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 40 दिन छोटा है। 2019 में नरेंद्र मोदी ने 30 मई को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और 17 जून को संसद का पहला सत्र शुरु हो गया था। हालांकि इसमें नई सरकार का बजट सत्र भी शामिल था। वहीं इस बार 9 जून को पीएम का शपथ ग्रहण हुआ और पहला सत्र 15 दिन बाद शुरू हुआ।

प्रोटेम स्पीकर नए सांसदों को शपथ दिलाएंगे

भाजपा के ओडिशा से लगातार 7 बार के सांसद भर्तृहरि महताब प्रोटेम स्पीकर बने हैं। प्रोटेम स्पीकर की सहायता के लिए 5 सांसदों को राष्ट्रपति ने पीठासीन अधिकारी बनाया है। इनमें के. सुरेश (कांग्रेस), सुदीप बंदोपाध्याय (टीएमसी), टीआर बालू (डीएमके) और भाजपा से राधा मोहन सिंह, फगन सिंह कुलस्ते का नाम शामिल है। विपक्ष के तीनों सांसदों ने 22 जून को प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति के विरोध में अपना नाम वापस ले लिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण

27 जून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू लोकसभा और राज्यसभा में सुबह 11 बजे अभिभाषण देंगी। इसमें केंद्र सरकार के अगले 5 साल के कार्यक्रम का रोडमैप पेश करेंगी। 17वीं लोकसभा में तब के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने दोनों सदन को 1 घंटे संबोधित किया था। इसी दिन राज्यसभा का 264वां सत्र शुरू हो जाएगा। इस साल 15 राज्यों की 56 राज्यसभा सीटें खाली हुईं थीं। जिनमें 41 सीटों पर उम्मीदवार निर्विरोध चुनाव जीत गए। वहीं फरवरी में 15 सीटों पर हुई वोटिंग में यूपी की 8 सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की, सपा को दो सीट मिलीं। कर्नाटक में कांग्रेस को 3, भाजपा को 1 मिली थी। वहीं हिमाचल की एक सीट भी भाजपा के खाते में आई थी।

संसद के दोनों सदनों में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा

राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद संसद के दोनों सदनों में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होगी। विपक्ष नीट परीक्षा गड़बड़ी, यूजीसी नेट एग्जाम कैंसिलेशन और अग्निवीर योजना को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। इसके बाद प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देंगे।

10 साल बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी मिलेगी

लोकसभा में इस बार नेता प्रतिपक्ष भी होगा। पिछले 10 साल से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली है, क्योंकि 2014 के बाद से किसी भी विपक्षी दल के 54 सांसद नहीं जीते। मावलंकर नियम के तहत नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए लोकसभा की कुल संख्या 543 का 10त्न यानी 54 सांसद होना जरूरी है। 16वीं लोकसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे 44 सांसदों वाले कांग्रेस संसदीय दल के नेता थे, लेकिन उन्हें नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं था। 17वीं लोकसभा में 52 सांसदों की अगुवाई अधीर रंजन चौधरी ने की थी। उन्हें भी कैबिनेट जैसे अधिकार नहीं थे।

उरी में मारे गए दो आतंकवादियों में से एक शव बरामद

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में जारी घुसपैठ रोधी अभियान में रविवार को सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी का शव बरामद किया है। एक अधिकारी ने बताया कि दूसरे मृत आतंकवादी की तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि इलाके में अभी भी ऑपरेशन जारी है। इससे पहले शनिवार को उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ कर रहे आतंकवादियों के एक समूह को सुरक्षा बलों ने चुनौती दी थी। सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम दो आतंकवादी मारे गए थे। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को दोनों आतंकवादियों के शव बरामद नहीं किए जा सके थे, क्योंकि वे नियंत्रण रेखा के करीब पड़े हुए थे।

इंग्लैंड ने अमेरिका को 10 विकेट से हराया

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 49वें मुकाबले में रविवार को ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का सामना इंग्लैंड से हुआ। यह मैच बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल मैदान पर खेला गया। इंग्लैंड ने इस मुकाबले को 10 विकेट से अपने नाम किया। इसके साथ ही जोस बटलर की कप्तानी वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते उतरी अमेरिका टीम 18.5 ओवर में 115 रन पर सिमट गई। नितीश कुमार ने सबसे ज्यादा 30 रन की पारी खेली।

मणिपुर में मैइती और कुकी समुदाय में फिर गोलीबारी, सुरक्षा बल तैनात

कांगपोकपी,(ईएमएस)। मणिपुर में कई महीनों से दो समुदाय के बीच विवाद जारी है। दोनों समुदाय के सशस्त्र सदस्यों के बीच एक बार फिर से गोलीबारी हुई है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना उस समय हुई जब कुछ सशस्त्र व्यक्तियों ने शनिवार रात पड़ोसी कांगपोकपी जिले में पर्वतीय क्षेत्रों से इंफाल पूर्व जिले के थामनापोकपी और लामलाई इलाकों की ओर गोलियां बरसाईं। उन्होंने बताया कि स्थानीय ग्रामीण स्वयंसेवकों ने भी जवाब में गोली चलाईं। इलाके में स्थिति को नियंत्रण करने के लिए सुरक्षा बलों को भेजा गया है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक घंटे बाद गोलीबारी थम गई और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। इंफाल घाटी में रहने वाले मैइती और पर्वतीय इलाकों में रहने वाले कुकी समुदाय के बीच पिछले साल मई से जारी जातीय हिंसा में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। काफी कोशिशों के बाद भी दोनों समुदाय में आए दिन हिंसा की झड़पों की खबर सामने आती रहती है।

स्थापना के बाद से ही विवादों में घिरा रहा है एनटीए

- केंद्र सरकार ने प्रदीप खरोला को एनटीए का नया महानिदेशक बनाया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। पेपर लीक को लेकर विरोध प्रदर्शन और विपक्ष के हमलों का सामना कर रही केंद्र सरकार ने नीट-यूजी में हुई गड़बड़ी और यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द करने के विवाद के बीच बड़ा एक्शन लिया है। सरकार ने एनटीए के चीफ को उनके पद से हटा दिया है। एनटीए के पुराने महानिदेशक डीजी सुबोध कुमार को पद से हटा दिया गया है और उनकी जगह अब रिटायर्ड आईएएस प्रदीप सिंह खरोला को एनटीए का नया महानिदेशक नियुक्त कर दिया है।

पिछले दिनों केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनटीए में आंतरिक सुधार के संकेत दिए थे। इसे लेकर सरकार ने एक उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया है। शिक्षा मंत्रालय ने परीक्षाओं का पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। इसरो के पूर्व अध्यक्ष डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली हाईलेवल कमेटी परीक्षा प्रक्रिया के तंत्र में सुधार, डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार और एनटीए की संरचना व कार्यप्रणाली पर सिफारिशें पेश करेगी और दो महीने के अंदर रिपोर्ट मंत्रालय को पेश करेगी।

प्रदीप सिंह खरोला फिलहाल आईटीपीओ के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। इससे पहले वह सार्वजनिक क्षेत्र की विमानन कंपनी एयर इंडिया की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। वह इसके एयर इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक थे। इससे पहले वह बेंगलुरु मेट्रो रेल निगम के प्रबंध निदेशक रहे हैं।

एनटीए की स्थापना 2018 में की गई थी लेकिन इसकी स्थापना के बाद से तकरीबन हर साल परीक्षा में गड़बड़ी और धांधली के आरोप लगते रहे हैं। 2019 में जेईई मेंन्स के दौरान छात्रों को सर्वर में खराबी होने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। नीट अंडरग्रेजुएट मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम 2020 में एनटीए पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। एग्जाम को कई बार रद्द करना पड़ा था। साल 2021 में जेईई मेन्स परीक्षा में कुछ गलत प्रश्न को लेकर भी हंगामा हुआ था। 2021 में ही नीट परीक्षा में राजस्थान के भांकरोटा में सॉल्वर गैंग द्वारा गड़बड़ी करने का मामला सामने आया था। विभिन्न केंद्रीय, राज्य, प्राइवेट और डीम्ड यूनिवर्सिटी में प्रवेश के लिए आयोजित कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट में साल 2022 में गड़बड़ी की शिकायतें हुई थीं। एनटीए की स्थापना के दी सालों में सिर्फ दो बार, साल 2018 और 2023 में पेपरलीक और गड़बड़ी की शिकायत नहीं मिली, इसके अलावा एनटीए बनने के बाद तकरीबन हर साल परीक्षा सवालों में घिरी रही है।

नीट पीजी 2024 परीक्षा में भाग लेने जा रहे अभ्यर्थियों के लिए बुरी खबर है। कल सीएसआईआर नेट परीक्षा रद्द होने के बाद मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर की ओर से आज होने वाली नीट-पीजी 2024 परीक्षा को भी रद्द कर दिया गया है। परीक्षा रद्द होने से संबंधित जानकारी एनबीईएमएस की वेबसाइट पर दी गई है। परीक्षा की नई तारीख का ऐलान एनबीईएमएस कीओरसे जल्द किया जाएगा। नीट पीजी परीक्षा रद्द होने का कारण एनबीईएमएस की ओर से जारी नोटिफिकेशन में बताया गया है। अधिसूचना के मुताबिक परीक्षा रद्द करने का निर्णय सरकार द्वारा छात्रों के हित में और परीक्षा प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। इसके साथ ही मंत्रालय की ओर से विद्यार्थियों को हुई असुविधा के लिए खेद भी जताया गया है। अधिसूचना में बताया गया है कि नई परीक्षा की तारीखा कुछ दिन बाद जारी की जाएगी। सभी अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे समय समय पर लेटेस्ट जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

बिहार में फिर गिरा पुल, एक सप्ताह में यह तीसरी घटना, कोई हताहत नहीं

-लोग बोले-घटिया तरीके से पुल का किया जा रहा था निर्माण

मोतिहारी,(ईएमएस)। ऐसा लग रहा है कि बिहार में पुल गिरने का दौर जारी है। अभी बारिश शुरु भी नहीं हुई और उससे पहले ही एक हफ्ते में तीसरा पुल गिरने की घटना सामने आई है। इससे पहले अररिया और सिवान में भी पुल गिर चुके हैं। अब मोतिहारी से भी एक निर्माणधीन पुल गिर गया है। यह डेढ़ करोड़ की लागत से बनाया जा रहा था।

बिहार के पूर्वी चंपारण के मोतिहारी के घोड़ासहन ब्लॉक में पुल गिर गया। यहां घोड़ासहन प्रखंड के अमवा से चैनपुर स्टेशन जाने वाली सड़क पर पुल का निर्माण किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि इस पुल की लंबाई करीब 40 फिट थी और इसे करीब 1.50 करोड़ की लागत से बनाया जा रहा था। पुल ढलाई का काम कल ही हुआ था। इसके बाद रात में अचानक पुल भरभरा कर गिर गया। सुबह जब गांव के लोगों की नजर पुल पर पड़ी तो, खबर आग की तरह फैल गई।

गांव वालों का कहना है कि घटिया तरीके से पुल का निर्माण किया जा रहा था, जिसकी वजह से यह गिर गया। बिहार के सीवान में भी शनिवार को पुल गिरने की घटना हुई थी। यहां के महाराजगंज-दरोंदा विधानसभा के बॉर्डर को जोड़ने वाला पुल गिर गया था। लोगों की कहना है कि बिना आंधी-बारिश के ही पुल गिर गया। यह पुल पटेढ़ी-गरौली को जोड़ने वाली नहर पर बना था1 इसके अलावा मंगलवार को अररिया में करीब 180 मीटर लंबा एक नवनिर्मित पुल ढह गया था। यह पुल अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर पुल बनाया गया था जो उद्घाटन के पहले ही ढह गया। यह 12 करोड़ की लागत से बनाया गया था।

अरुणाचल में बादल फटा, लैंडस्लाइड-बाढ़ असम में 4 लाख लोग प्रभावित, 37 की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में रविवार सुबह 10.30 बजे बादल फटने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। अधिकारियों ने बताया कि कई जगहों पर लैंड स्लाइड हुआ। लोगों को वहां न जाने की सलाह दी गई है। वहीं, नेशनल हाइवे-415 पर जलभराव होने से कई वाहन फंसे हुए हैं। उधर, असम में करीब एक हफ्ते से बारिश हो रही है। सरकार के अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ से 19 जिलों में करीब 4 लाख लोग प्रभावित हैं। इस साल बाढ़ और लैंडस्लाइड से मरने वालों का आंकड़ा 37 हो गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए सरकार ने 100 रिलीफ कैंप लगाए हैं। राहत सामग्री देने के लिए 125 सेंटर बनाए हैं।

मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश समेत 11 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें मध्य प्रदेश का मालवा इलाके के अलावा गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में आने वाली बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की। इसमें गृह, जल संसाधन, नदी विकास, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण, सड़क परिवहन मंत्रालयों और विभागों के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष, एनडीएमए के अधिकारी शामिल हुए।

इसरो ने फिर किया कमाल, 'पुष्पक' की लगातार तीसरी सफल लैंडिंग, स्पेस शटल के दोबारा प्रयोग में हासिल की बड़ी सफलता

बेंगलुरु। भारत ने दोबारा प्रयोग वाले स्पेस शटल को साकार करने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने फिर कमाल करते हुए पुनः प्रयोग योग्य प्रक्षेपण यान (आरएलवी) या पुष्पक की लगातार तीसरी बार सफल लैंडिंग कराई। इस मिशन में अंतरिक्ष से लौटने वाले यान को तेज हवाओं के बीच उतारने का अभ्यास किया गया।

इसरो ने अधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में प्रक्षेपण यान की स्वचालित लैंडिंग क्षमता का प्रदर्शन किया। इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने ऐसे जटिल मिशन में सफलता का सिलसिला बरकरार रखने के प्रयासों के लिए टीम को बधाई दी है। विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) के निदेशक डॉ. एस. उन्नीकृष्णन नायर ने इस बात पर जोर दिया कि मिशन में लगातार मिल रही सफलता, भविष्य के कक्षीय पुनःप्रवेश मिशनों के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों में इसरो का विश्वास बढ़ाने वाली है।

इसरो ने रविवार को कहा कि लैंडिंग प्रयोग की श्रृंखला में तीसरा और अंतिम परीक्षण (लेईएक्स-03) कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एयरोनाटिकल टेस्ट रेंज (एटीआर) में सुबह 07:10 बजे किया गया। इस परीक्षण में इसरो ने लैंडिंग इंटरफेस और तेज गति में विमान की लैंडिंग स्थितियों की जांच की। पुष्पक ने स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का बखूबी प्रदर्शन किया।

आरएलवी लेईएक्स-01 और लेईएक्स-02 मिशनों की सफलता के बाद आरएलवी लेईएक्स-03 ने अधिक चुनौतीपूर्ण स्थितियों और अत्यधिक तेज हवा की स्थिति में आरएलवी की स्वायत्त लैंडिंग क्षमता का पुनः प्रदर्शन किया। लेईएक्स-02 को 150 मीटर की क्रॉस रेंज से छोड़ा गया था, जबकि इस बार क्रॉस रेंज को बढ़ाकर 500 मीटर कर दिया गया। इस सफल मिशन के लिए जे. मुथुपांडियन मिशन निदेशक हैं और बी.कार्तिक यान निदेशक हैं।

15 हजार करोड़ का जीएसटी फ्रॉड

- फर्जीवाड़े में शामिल महिला अरबपति कोयंबटूर से गिरफ्तार

नोएडा(ईएमएस)। नोएडा पुलिस टीम ने 15 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा के जीएसटी फ्रॉड के मामले में रविवार को बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने फर्जीवाड़े में शामिल महिला अरबपति कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक कई अरबपति कारोबारियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक, इस मामले में 40 से ज्यादा आरोपियों की अब तक गिरफ्तारी हो चुकी है। साथ ही 33 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई भी की गई है। इससे पहले पुलिस ने तीन अरबपति कारोबारियों को गिरफ्तार किया था। तीनों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम था। तीनों कारोबारी बीते नौ माह से फरार चल रहे थे। 10 अप्रैल को दिल्ली के तिलक नगर निवासी कारोबारी तुषार गुप्ता को उसके कार्यालय से गिरफ्तार किया था।

नोएडा पुलिस ने वर्ष 2023 में देशभर में चल रहे जीएसटी फ्रॉड का खुलासा किया था। डीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया था कि करोड़पति कारोबारी तुषार का दिल्ली समेत अन्य शहरों में मेटल और पैकेजिंग का कारोबार है। मामले में कोतवाली सेक्टर 20 में मुकदमा दर्ज किया गया था। तुषार को पहले जीएसटी की टीम भी गिरफ्तार कर चुकी है। दो माह तक जेल में रहने के बाद उसे जमानत मिल गई थी।

विधानसभा चुनाव से पहले उठी हरियाणा की अलग राजधानी बनाने की मांग

-पूर्व सीएम के ओएसडी ने लिखा पीएम मोदी को पत्र

चंडीगढ़,(ईएमएस)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव से पहले एक बार फिर राज्य की अलग राजधानी बनाने की मांग उठने लगी है। हरियाणा बनाओ अभियान के तहत पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के ओएसडी रहे एम.एस. चोपड़ा ने अलग राजधानी और हाईकोर्ट बनाने के लिए मुहिम छेड़ दी है। इस मांग को लेकर चोपड़ा ने पीएम मोदी को एक पत्र भी लिखा है।

हरियाणा के पूर्व सीएम और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा के ओएसडी रहे एमएस. चोपड़ा हरियाणा की अलग राजधानी बनाने के लिए मुहिम चला रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र लिखकर मांग की है कि पंजाब से हरियाणा को अलग हुए 57 साल हो हो चुके हैं, लेकिन हरियाणा को आज तक अलग राजधानी और हाईकोर्ट नहीं मिला है इसलिए इस समस्या का समाधान जल्द किया जाए। उन्होंने पीएम, सीएम, सांसदों और विधायकों से मांग की है कि राजनीतिक शक्ति का उपयोग हरियाणा के निर्माण में किया जाए।

गौरतललब है कि एक नवंबर 1966 में पंजाब से अलग होकर हरियाणा एक अलग राज्य बना था। राज्य पुनर्गठन के दूसरे दौर में पंजाब के विभाजन से हरियाणा राज्य का जन्म हुआ था। आज हरियाणा 57 साल का हो चुका है। आज भी हरियाणा की राजधानी चंडीगढ़ है। बीते कई सालों से पंचकूला को हरियाणा की नई राजधानी बनाने की मांग उठती रही है। हरियाणा विधानसभा चुनाव आते ही हरियाणा की अलग राजधानी बनाने की मांग अक्सर उठती है। हरियाणा के सेवानिवृत्त मुख्य सचिव एससी चौधरी ने भी अप्रैल 2024 में पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा कर अलग राजधानी बनाने की मांग की थी।

पश्चिमांचल, पूर्वांचल,अवध और विदर्भ होंगे नए राज्य

जल्द जारी हो सकती है, चार राज्यों के पुनर्गठन की अधिसूचना,3 राज्यों में बटेगा उत्तर प्रदेश, दो राज्यों में बंटेगा महाराष्ट्र , बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात होंगे सबसे बड़े राज्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। केन्द्र में भाजपा की स्पष्ट बहुमत की सरकार नहीं है। एनडीए गठबंधन में शामिल सहयोगियों और विपक्ष की आक्रामक भूमिका को देखते हुए भाजपा अब नया पेंतरा अपनाने जा रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के बीच गंभीर मंत्रणा हुई है। उ.प्र. सबसे बड़ा राज्य है, यहाँ पर 80 सीट लोकसभा की हैं। केन्द्र में सरकार बनाने में उ.प्र. की बड़ी भूमिका रहती है। भाजपा नेताओं ने उ.प्र. को 3 राज्यों में बांटकर केन्द्र की सत्ता में उ.प्र. का जो एकाधिकार होता है। उस एकाधिकार को खत्म करने की रणनीति तैयार कर ली है। उ.प्र. को 3 राज्यों में तथा महाराष्ट्र को 2 भागों में बांटने की सहमति वरिष्ठ नेताओं में बन गई है। जिस तरह की राजनैतिक अस्थिरता है उसमें भी मध्यावधि चुनाव हो सकते हैं। महाराष्ट्र में 6 माह के अंदर विधानसभा चुनाव होने हैं। 2000 में केन्द्र सरकार द्वारा 3 बड़े राज्यों को छोटे राज्य में बदला गया था। इसका फायदा भाजपा को मिला। उसी तर्ज पर अब उ.प्र. और महाराष्ट्र को छोटे राज्य में बदलने की रणनीति बनाई गई है। इसका क्रियान्वय किस तरह किया जाए, इस पर विचार-विमर्श शुरू हो गया है।

उत्तर प्रदेश को तीन हिस्सों में बांटने के लिए भाजपा में अंतिम सहमति बन गई है। उत्तर प्रदेश को पश्चिमांचल,पूर्वांचल और अवध नाम से तीन राज्यों में बांटा जाएगा। उत्तर प्रदेश को तीन राज्यों में बांटकर,उत्तर प्रदेश के नये राजनीतिक समीकरण बनाए जा रहे हैं।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान महाराष्ट्र को दो राज्यों में बांटे जाने का प्रस्ताव है। विदर्भ को नये राज्य का दर्जा मिलेगा। पिछले कई दशकों से विदर्भ राज्य की मांग की जा रही है। महाराष्ट्र के राजनीतिक समीकरण को साधने के लिए भाजपा ने नई रणनीति तैयार की है। नए राज्यों के पुनर्गठन हो जाने के बाद बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात देश के सबसे बड़े राज्य होंगे।

राज्यों का पुनर्गठन और भाजपा

25 जुलाई 2000 को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के कार्यकाल में तीन नए राज्य बनाने का निर्णय लिया था। 25 जुलाई 2000 को गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने लोकसभा में विधेयक पेश किया था। 31 जुलाई को संसद ने इसे पास किया। 3 अगस्त को इसे राज्यसभा में पेश किया गया। 9 अगस्त को राज्यसभा ने तीनों राज्यों के विधेयक को पास किया था। 25 अगस्त 2000 को राष्ट्रपति के आर नारायण ने राज्य पुनर्गठन अधिनियम के अनुसार इसे स्वीकृति प्रदान की थी। दिसंबर 2000 में तीनों राज्य अस्तित्व में आ गए थे। जो तीन नए राज्य बने थे। उनमें उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड का निर्माण हुआ था। बिहार राज्य से झारखंड राज्य का निर्माण हुआ था। मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ राज्य का उदय हुआ था। इसका सबसे बड़ा फायदा भारतीय जनता पार्टी को मिला।

आंध्र प्रदेश को दो हिस्सों में बांट कर तेलंगाना राज्य का गठन 2 जून 2014 को किया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की सरकार के समय तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था। जम्मू कश्मीर राज्य के रूप में स्थापित था। केंद्र सरकार द्वारा धारा 370 का विशेष दर्जा खत्म करके, जम्मू कश्मीर राज्य को केंद्र शासित प्रदेश में शामिल कर लिया। अभी भी जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है।

लोकसभा को एक दशक बाद मिलेगा नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली(ईएमएस)। पिछले दिनों लोकसभा के चुनाव प्रचार के दौरान अपनी सभाओं में पीएम नरेंद्र मोदी अक्सर यह कहते थे, अपने दस साल के कार्यकाल के दौरान उन्हें एक विपक्ष की कमी खली, और इससे मेरे दिल को दुख होता है। लेकिन मोदी की यह पीड़ा कम हो गई होगी। जनता-जनार्दन ने उन्हें मजबूत विपक्ष दिया है। उनकी बात एकदम सही थी कि लोकसभा में 10 साल से विपक्ष के नेता की कमी है। लेकिन यह कोई नहीं बात नहीं है। नेता प्रतिपक्ष का पद 1980, 1989 और 2014 से लेकर 2024 तक खाली रहा है।

18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होकर 3 जुलाई को समाप्त होगा। 9 दिवसीय विशेष सत्र के दौरान लोकसभा स्पीकर का चुनाव किया जाएगा और नए सांसद शपथ लेंगे। इसी दौरान संसद को लीडर ऑफ अपोजिशन भी मिलेगा। ये पद पिछले 10 साल से खाली पड़ा है। आखिरी बार सुषमा स्वराज 2009 से 2014 तक लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष थीं। लेकिन 2014 और 2019 के चुनावों में किसी भी विपक्षी दल के 54 सांसद नहीं जीते। नियमों के मुताबिक नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए लोकसभा की कुल संख्या का 10 फीसदी यानी 54 सांसद होना जरूरी है। इस बार कांग्रेस को ये पद दिया जाएगा। पहले ऐसी अटकलें थीं कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हो सकते हैं।

नीट पेपर लीक मामलाः माफ़ियाओं के पास से चेक, पासबुक, एटीएम बरामद

-दस करोड़ से ज्यादा के लेन-देन के सबूत मिले, अभ्यर्थियों से भी होगी पूछताछ

पटना,(ईएमएस)। नीट पेपर लीक का मामला बढ़ता ही जा रहा है। आरोपियों के खिलाफ बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओयू) ने जांच तेज कर दी है। नीट पेपर लीक मामले में माफियाओं के पास से तीन दर्जन से ज्यादा एडमिट कार्ड, आधारकार्ड और पैन कार्ड बरामद किए हैं। माफियाओं के पास से बरामद हुए एडमिट कार्ड, आधारकार्ड ओर पैन कार्ड की जांच होगी। इन सभी एडमिट कार्ड के डिटेल्स खंगाले जाएंगे। अभ्यर्थियों से भी पूछताछ भी होगी। जरूरत पड़ने पर ईओयू उनके अभिभावकों से भी पूछताछ कर सकती है। इसके अलावा ईओयू ने माफ़ियाओं के पास से 16 चेक, छह पास बुक, पांच एटीएम कार्ड ओर ट्रांजेक्शन स्लिप भी बरामद की है।

बरामद किए पास बुक, एटीएम ओर चेकबुक से दस करोड़ रुपए से ज्यादा के लेनदेन के सबूत मिल हैं। बता दें कि नीट प्रश्न पत्र पेपर लीक मामले में अब हजारीबाग से भी तार जुड़ता नजर आ रहा है। पिछले दिनों बिहार के ईओयू की टीम हजारीबाग पहुंची और हजारीबाग के लोहसिंघना थाना क्षेत्र के ओवैसीस स्कूल के अलावा कई अन्य स्कूल, जो परीक्षा केंद्र बनाए गए थे वहां पर भी जांच की है। इससे पूर्व में भी बीपीएससी टीआरई3 शिक्षक परीक्षा क्वेश्चन पेपर लीक मामला में भी नाम आया था, जिसमें 250 से भी ज्यादा परीक्षार्थियों को पुलिस डिटेन कर बिहार लेकर गई थी और पांच लोगों की इसमें गिरफ्तारी भी हुई थी।

श्रीलंकाई नौसेना ने 18 भारतीय मछुआरों को पकड़ा

नेदुनथीवु,(ईएमएस)। श्रीलंकाई नौसेना ने रविवार को अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में तमिलनाडु से 18 मछुआरों को गिरफ्तार किया है। भारतीय मछुआरों पर श्रीलंकाई के क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ने का आरोप है। मछुआरों को गिरफ्तार कर कांकेसंतुरई बंदरगाह ले जाया गया है। मछुआरों के तीन ट्रॉलर भी श्रीलंकाई नौसेना ने जब्त किए हैं।

बता दें, मछुआरों का मुद्दा हमेशा से भारत और श्रीलंका के बीच विवाद का कारण रहा है। श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों पर गोलीबारी भी की और श्रीलंकाई इलाके में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में उनकी नौका भी जब्त कर ली थी।

नीट- यूजी, बीपीएससी पेपर लीक मामलों का कनेक्शन भी हजारीबाग से जुड़े

-सरगना संजीव गिरोह के काम करने के पैटर्न को ट्रैक कर जांच कर रही ईओयू

पटना, यूजी-नीट पेपर लीक मामले का सरगना संजीव मुखिया ने झारखंड में कमजोर कड़ी को खोज लिया है? पिछले नीट- यूजी, बीपीएससी दो पेपर लीक मामलों का कनेक्शन झारखंड के हजारीबाग से जुड़ा है। बिहार ईओयू सूत्रों के मुताबिक हजारीबाग के ओएसिस स्कूल से नीट-यूजी का पेपर बुकलेट नंबर 6136488 लीक हुआ था। साथ ही ईओयू को बुकलेट बॉक्स से भी छेड़छाड़ के सबूत मिले हैं। साथ ही नीट पेपर लीक मामले में पुलिस को हजारीबाग के ओएसिस स्कूल के चेयरमैन शब्बीर अहमद के शामिल होने की आशंका है।

नीट पेपर लीक मामले की जांच के दौरान ईओयू को ओएसिस स्कूल की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसानुल हक हैं जो सीबीएसई के सिटी कोऑर्डिनेटर भी हैं। उनके पास चार जिले हजारीबाग, चतरा, कोडरमा और रामगढ़ के सेंटर हैं, जहां सीबीएसई कई एग्जाम कंडक्ट कराती है।

ईओयू की टीम ने केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को नीट पेपर लीक से जुड़ी पूरी रिपोर्ट सौंपी दी है। इस रिपोर्ट में 21 जून तक की जांच की पूरी जानकारी सबूतों और फैक्ट के साथ आरोपियों के बयानों का जिक्र भी है। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए पर एक्शन लेते हुए मामले की जांच सीबीआई से कराने का फैसला लिया है।

वहीं, 15 मार्च को आयोजित हुई बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा का पेपर भी हजारीबाग से लीक हुआ था। बीपीएससी टीआरई3 परीक्षा के करीब 268 अभ्यर्थियों को हजारीबाग ले जाया गया था, जिसमें से 113 अभ्यर्थी नालंदा जिले के थे। 15 मार्च की परीक्षा के पहले रात में इन अभ्यर्थियों को पेपर देकर जवाब याद करवाए गए। तब झारखंड पुलिस और बिहार पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर अभ्यार्थियों और माफिया को धर दबोचा था।

नीट-यूजी का पेपर हजारीबाग से ही लीक कराए जाने की आशंका है। इस बार अभ्यर्थियों को पटना में रखा गया और पेपर लीक कराकर पटना मंगाया गया था। बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा में भी संजीव मुखिया गिरोह का हाथ था और नीट में भी यही गिरोह सक्रिय है। बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में संजीव मुखिया का बेटा डॉ. शिव जेल में है। शिव को अपने चार साथियों के साथ 21 अप्रैल को उज्जैन से गिरफ्तार किया था। शिव का नाम 2017 में भी नीट पेपर लीक मामले में सामने आया था और उसके खिलाफ पटना में मामला दर्ज किया गया था।

वहीं, ईओयू संजीव मुखिया गिरोह के काम करने के पैटर्न को ट्रैक कर जांच को आगे बढ़ा रही है। संजीव गिरोह का बड़ा कनेक्शन हजारीबाग से है। हजारीबाग से बिहार की सीमा में गिरोह आसानी से प्रवेश कर लेता है और यहीं से अपने गिरोह को ऑपरेट करता है। हजारीबाग से नालंदा तक के इलाके को संजीव मुखिया अपने सेफ जोन के तौर मानता है, उसका पूरा नेटवर्क नालंदा में सक्रिय है, क्योंकि वह नालंदा के नगरनौसा के पास शाहपुर बलवा का रहने वाला है।

बिहार ईओयू ने नीट पेपर लीक मामले में अब तक कुल 19 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने 13 आरोपियों को बिहार और छह को झारखंड से पकड़ा है। पुलिस ने पेपर लीक करने के बाद उसका प्रिंट निकलवाकर अभ्यर्थियों तक पहुंचने वाले आरोपी पिंटू को झारखंड के देवघर से गिरफ्तार किया था। पिंटू ने बताया कि उसने चिंटू के कहने पर प्रिंट आउट निकाला था1 पेपर लीक सरगना संजीव मुखिया के नेटवर्क में पिंटू और चिंटू शामिल हैं। पुलिस ने चिंटू को भी देवघर से पकड़ा है।

जन हितैषी

डीमार्ट और सुपर मार्केट में बिक रहा है नकली सामान

नकली और मिलावटी सामान बहुराष्ट्रीय कंपनियों के शोरूम और माल से बिकने लगा है। हाल ही में डीमार्ट, आईपरमार्ट और सुपर मार्केट में नकली सामान की खेप पकड़ी गई है। नामी गिरामी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट में यदि इस तरह के मिलावटी सामान और नकली ब्रांड बिक रहे हैं तो इस स्थिति में देश का भगवान ही मालिक है। सरकार ने खाद्य सुरक्षा और नकली सामान से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बड़े-बड़े कानून बनाए हैं। लेकिन बहुराष्ट्रीय कंपनियां कानून का उल्लंघन कर अपने आउटलेट से अमानक और नकली सामान की बिक्री करने लगी हैं। सरकार आंख मूंदकर लोगों को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आसरे में लुटने के लिए छोड़ दे। इससे बड़ा दुर्भाग्य क्या हो सकता है। छोटी मोटी दुकानों में तो छापे डाले जाते हैं। रेहड़ी और पटरी वालों को भी नहीं छोड़ा जाता है। खुले दूध की बिक्री लगभग-लगभग पूरे देश में बंद हो गई है। छोटी-छोटी होटल बंद हो गई हैं। अब डिब्बा बंद मिठाइयां और पेक्ड नमकीन बाजार में बिक रहा है। स्थानीय स्तर का रोजगार पूरी तरह से खत्म हो गया है। पिछले एक दशक में जिस तरह से नकली सामान और अमानक खाद्य पदार्थों को लेकर सरकार द्वारा सारे देश में मुहिम चलाई गई। उसकी गाज छोटे-छोटे कारोबारियों पर गिरी है। इसका लाभ बड़ी-बड़ी कंपनियों को मिला है। वहीं ब्रांडेड कंपनियों के आउटलेट में धड़ल्ले से बड़ी मात्रा में नकली सामान बेचा जा रहा है। ऐसा ही एक मामला राजस्थान के जयपुर में उजागर हुआ है। जयपुर के डीमार्ट और आईपरमार्ट, सुपर मार्केट के आउटलेट में बड़ी मात्रा में नकली घी और तेल जप्त किया गया है। जयपुर खाद्य विभाग की टीम ने नकली सामग्री बेचने की खबर पर कार्रवाई की। सरस घी के नाम से सरकारी ब्रांड का नकली घी डी मार्ट के आउटलेट से विक्रय किया जा रहा था। वहीं सिरसी रोड में स्थित आइपरमार्ट में टैगोर ब्रांड का नकली घी बेचा जा रहा था। खाद्य विभाग की जांच के दौरान नकली सामान बेचने का मामला उजागर हुआ। डी मार्ट के आउटलेट में खंडेलवाल एंड कंपनी द्वारा सरस घी की सप्लाई की जा रही थी। डी मार्ट जिनसे घी खरीद रहा था, वह कंपनी के अधिकृत डीलर नहीं थे। डीमार्ट प्रबंधन ने लापरवाही बरती या उनकी मिली भगत थी, इसका खुलासा नहीं हुआ। खाद्य विभाग की कार्रवाई के बाद जिन दो फार्मो द्वारा नकली घी की सप्लाई की गई थी, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। दोनों फर्मों के संचालक फरार हो गए हैं। पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है, कि दोनों फमों के कर्ताधर्ता कैसे नकली घी की सप्लाई करते थे। घी कहां से लाते थे। खाद्य सुरक्षा विभाग ने अभी तक 40000 लीटर से अधिक नकली तेल और घी को जप्त किया है। मिलावटी सामान की सप्लाई करने वाली फर्मों के बारे में खाद्य विभाग और स्थानीय पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। खाद्य विभाग ने डीमार्ट, आईपरमार्ट और सुपर मार्केट जैसे संस्थानों के ऊपर कोई कठोर कार्रवाई नहीं की है। सरस कंपनी के सीएमडी सुषमा अरोड़ा ने जानकारी देते हुए बताया है, कि कंपनी के प्रोडक्ट में क्यूआर कोड प्रिंट किया जाता है। स्कैन करने पर सही पहचान भी की जा सकती है। इसके बाद भी बहुराष्ट्रीय कंपनियों और सुपर मार्केट जैसे संस्थान, कमाई के लालच में नकली सामान, उपभोक्ताओं को खुलेआम बेचकर उन्हें दिन दहाड़े ठग रहे हैं। खाद्य विभाग द्वारा बड़ी-बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट पर कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है। यह चिंता का विषय है। अब तो लोग कह रहे हैं, भारत में दो तरह के कानून हैं। गरीब और मध्यम वर्ग के लिए अलग कानून हैं। बड़े-बड़े लोगों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए भारत में अलग कानून है। लोगों का मानना है, कि खाद्य विभाग को बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट को सील करना चाहिए था। पूरे आउटलेट की जांच करनी चाहिए थी, लेकिन खाद्य विभाग ने उनके ऊपर कोई कार्यवाही ना करके, उन्हें बचाने का प्रयास करने जैसा काम ही किया है। खाद्य विभाग द्वारा पुलिस में केवल सप्लायर के ऊपर एफआईआर दर्ज कराई है। इससे देश भर के लोगों में नाराजी फैल रही है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट पर लोग बड़े विश्वास के साथ खाद्य पदार्थों की खरीदी करने और ब्रांडेड सामग्री को खरीदने के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में पहुंचते हैं। यदि बड़ी-बड़ी और बहुत राष्ट्रीय कंपनियों के आउटलेट से नकली और अमानक सामान बेचा जा रहा है। ऐसी स्थिति में किस पर भरोसा किया जा सकता है।

पक्षियों पर भी काल की छाया

जिस तेजी से पृथ्वी पर जनसंख्या का दबाव बढ़ रहा है उसी तेजी से वनों का भी विनाश हो रहा है। और वनों के खत्म होने के साथ ही वन्य जीवों की अनेक प्रजातियां भी तेजी से विलुप्त होती जा रही है । कड़वा सच तो यह है कि 50 वर्ष से भी कम समय में वन्य जीवो की संख्या 69 प्रतिशत तक कम हो गयी। वन्य जीवों के अस्तित्व पर आए संकट का एक अन्य कारण भी है आदमी के अविवेकपूर्ण क्रियाकलाप। जिसमें पैसा कमाने की हवस के चलते वन्य जीवो को निर्ममता से मारकर उनके अंगों का अनेक प्रकार से उपयोग किया जाता है। प्राकृतिक आवासों के विनाश। फैलती सघन कृषि तथा तस्करों का शिकारियो के सम्मिलित प्रहार से परिंदों का अस्तित्व भी संकट में पड़ गया है। पक्षियों के तस्करों व शिकारियों ने देश में पाई जाने वाली तकरीबन 1200 प्रजातियों में से कई के अस्तित्व को मिटा कर रख दिया है । काबिलेगोर बात है कि दुनिया में 8600 पक्षियों की प्रजातियो में से 180 प्रजातियां ऐसी हैं ।जो केवल भारतीय उपमहाद्वीप में पाई जाती है दुर्भाग्यवश इन पर ही सबसे ज्यादा खतरा मडरा रहा है।

कोयल की कूक, कौओं की कांव कांव, चिड़ियों की चहचहाहट, झींगुरों की झनकार, मेढकों की टर टर जंगली तोतों की नकल करती आवाजें बहुत जल्द ही अतीत का हिस्सा बन सकतीं हैं। दुनिया भर में पाई जाने वाली तोतों की तकरीबन 330 प्रजातियों में से 100 से अधिक की जान संकट में है। सुंदर व खूबसूरत प्रजाति कैरोलिना, परकीत विलुप्त हो गई है। हेसिथमेका व स्कारलेट मैका नामक प्रजातियां खतरे में है।कैरीलिग तोता यात्री कबूतर।क्षुपी मुर्गी तथा पहाड़ी मैना इत्यादि तो बिल्कुल लुप्त हो चुके हैं। कुक्कुट सारस ।गजदंत चोंचा। कठफोड़वा। हवाई राजहंस आदि पक्षी प्रजातियां अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही है ।मध्य प्रदेश व राजस्थान के जंगलों में पाए जाने वाले खरमोर व भटुक कड़ी अंधा धुंध शिकार की वजह से लाल सूची में आ गए हैं ।मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में खरमोरे अभ्यारण में इन्हें संरक्षित किया जा रहा है ।लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद भी केवल भारत में पाई जाने वाली दुर्लभ पक्षी प्रजाति की संख्या केवल 1500 से भी कम रह गई है ।सोन चिरैया या गोड़ावन विश्व के दुर्लभतम पक्षियों में से एक है। दो दशक पहले तक इनकी संख्या मध्य प्रदेश के करैरा और घाटीगांव क्षेत्र में बहुत थी लेकिन खनन कार्य व वनों के कटने से इस प्रजाति का अस्तित्व समाप्ति की ओर है। हालांकि इस प्रजाति को संरक्षित करने के लिए करेरा और घाटीगांव में अभ्यारण बनाकर इन्हें संरक्षित करने का प्रयास किया गया था लेकिन अथक प्रयासों के बावजूद इनकी संख्या में इजाफा नहीं हो सका।

तमाम सारे पक्षियों की प्रजातियां जो शीतकाल में गर्म क्षेत्रों में प्रवास करती थी अब घटाते वनों और प्राकृतिक आवास के कारण समाप्ति के कगार पर है। दुर्लभ प्रजाति के पक्षी साइबेरियन सारस निरंतर घटती जा रहा रहीं हैं। यही नहीं बंगाल फ्लोरिंकन सफ़ेद कौआ। डोडो व हिमालय क्षेत्र के अनेक परिंदों का अस्तित्व अंधाधुंध शिकार की वजह से मिट गया है। हालात यह है कि सुबह चिड़ियों की चहचहाहट।शाम को कीड़े मकोड़ों के शोर से लेकर रात में सिंहों की दहाड़, सियार, लोमड़ी की आवाजें कम हो रही है।

इसी तरह राष्ट्रीय पक्षी मोर भी अब मांस के लिए बड़ी संख्या में मारा जा रहा है हालात यही रहे तो आने वाली पीढ़ी बहुत सारे वन्य जीवों का दीदार करने से वंचित हो जाएगी। (लेखक- मुकेश तिवारी/ ईएमएस)

सनातन हिंदू संस्कृति का पूरे विश्व में फैलना आज विश्व शांति के लिए आवश्यक है

यूरोप में हाल ही में सम्पन्न हुए चुनावों में दक्षिणपंथी कहे जाने वाले दलों की राजनैतिक ताकत बढ़ी है। हालांकि सत्ता अभी भी वामपंथी एवं मध्यमार्गीय नीतियों का पालन करने वाले दलों की ही बने रहने की सम्भावना है परंतु विशेष रूप से फ्रान्स एवं जर्मनी में इन दलों को भारी नुक्सान हुआ है। इटली की देशप्रेम से ओतप्रोत दल की मुखिया जोरजीया मेलोनी को अच्छी सफलता हासिल हुई है। कुल मिलाकर यूरोपीय देशों के नागरिकों में देशप्रेम का भाव धीमे धीमे लौट रहा है एवं वे अब अपने अपने देश में अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों का विरोध करने लगे हैं। विशेष रूप से यूरोप के आस पास के मुस्लिम बहुल देशों से भारी संख्या में मुस्लिम नागरिक अवैध रूप से इन देशों में शरण लिए हुए हैं एवं अब वे इन देशों की कानून व्यवस्थ के लिए एक बहुत बड़ी समस्या बन गए हैं। जर्मनी एवं फ्रान्स ने मुस्लिम नागरिकों को मानवीय आधार पर अपने देश में बसाने में शिथिल नीतियों का पालन किया था और अब ये दोनों देश इस संदर्भ में विभिन्न समस्याओं का सबसे अधिक सामना कर रहे हैं।

आज जब कई मुस्लिम देश शिया एवं सुन्नी सम्प्रदाय के नाम पर आपस में ही लड़ रहे हैं तो उनका ईसाई पंथ को मानने वाले नागरिकों के साथ सामंजस्य किस प्रकार रह सकता है, अतः यूरोपीयन देशों के नागरिकों को अब अपने किए पर पश्तावा होने लगा है। ब्रिटेन में भी आज मुस्लिम समाज की आबादी बहुत बढ़ गई है एवं यहां का ईसाई समाज अपने आप को असुरक्षित महसूस करने लगा है क्योंकि मुस्लिम समाज द्वारा ईसाई समाज पर कई प्रकार के आक्रमण किया जाना आम बात हो गई है। ब्रिटेन के कई शहरों में तो मेयर आदि जैसे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के पदों पर भी मुस्लिम समाज के नागरिक ही चुने गए है अतः इन नगरों में सत्ता की चाबी ही अब मुस्लिम समाज के नागरिकों के हाथों में है, जिसे ईसाई समाज के नागरिक बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसी प्रकार, इजराईल (यहूदी समुदाय) एवं हम्मास (मुस्लिम समुदाय) के बीच युद्ध लम्बे समय से चल रहा है। ईरान (शिया समुदाय) - सऊदी अरब (सुन्नी समुदाय) के आपस में रिश्ते अच्छे नहीं है। पाकिस्तान में तो अहमदिया समुदाय एवं बोहरा समुदाय को मुस्लिम ही नहीं माना जाता है एवं इनको गैर मुस्लिम मानकर इन पर सुन्नी समुदाय द्वारा खुलकर अत्याचार किए जाते हैं। कुल मिलाकर, मुस्लिम समाज न केवल अन्य समाज के नागरिकों (यहूदी, ईसाई, हिंदू आदि) के साथ लड़ता आया है बल्कि इस्लाम के विभिन्न फिर्कों के बीच भी इनकी आपसी लड़ाई होती रही है।

इसके ठीक विपरीत, सनातन हिंदू संस्कृति का अनुपालन करते हुए कई भारतीय मूल के नागरिक भी अन्य देशों में रह रहे हैं एवं लम्बे समय से स्थानीय स्तर पर ईसाई समाज एवं अन्य धर्मों के अनुयायियों के साथ मिल जुलकर रहते आए हैं। इन देशों में भारतीय मूल के नागरिकों एवं स्थानीय स्तर पर अन्य धर्मों के अनुयायियों के बीच कभी भी बड़े स्तर पर आक्रोश उत्पन्न होता दिखाई नहीं दिया है, क्योंकि सनातन हिंदू संस्कृति में ''वसुधैव कुटुम्बकम'' एवं ''सर्वे भवंतु सुखिनः'' का भाव हिंदू नागरिकों में बचपन से ही भरा जाता है।

इसी प्रकार के भाव का संचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी पिछले 99 वर्षों से अपने स्वयंसेवकों में जगाता आया है। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। 27 सितम्बर 1933 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक पूजनीय डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, शस्त्र पूजा समारोह में अपने उदबोधन में कहते हैं कि संघ एक हिंदू संगठन है। संसार के सभी धर्मों में हिंदू धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म है, जिसका मुख्य गुण सद्गुण है और जो आत्मवत् भूतेषु (सभी प्राणियों में अपने को देखना) की भावना से सभी जीवों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना सिखाता है। यह धर्म संसार में व्याप्त हिंसा और अन्याय को स्वीकार नहीं करता। इसलिए स्वाभाविक है कि प्रत्येक हिंदू ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाना चाहता है। लेकिन केवल उपदेश देने से संसार का स्वभाव नहीं बदलेगा। जब संसार को लगेगा कि हिंदू समाज सुसंगठित और सशक्त हो गया है, तो हमारे प्रति जो अनादर का भाव सर्वत्र दिखाई देता है, वह समाप्त हो जाएगा और संसार हमारी बात सुनेगा। हिंदू धर्म अनादि काल से यही करता आ रहा है और ऐसे पवित्र धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए ही संघ की शुरुआत हुई है।'' आजकल हिंदू समाज बहुत अव्यवस्थित हो गया है। संघ का एकमात्र उद्देश्य हिंदू समाज को इस तरह संगठित करना है कि हिंदू, हिंदुस्तान में गर्वित हिंदू के रूप में खड़े हो सकें और दुनिया को यह विश्वास दिला सकें कि हिंदू कोई ऐसी जाति नहीं है जो मरणासन्न अवस्था में हो। संघ चाहता है कि संसार में सद्गुणों का बोलबाला हो। संघ का लक्ष्य मानव जाति में व्याप्त राक्षसी प्रवृत्ति को दूर करना और उसे मानवता सिखाना है। संघ का गठन किसी से घृणा करने या उसे नष्ट करने के लिए नहीं हुआ है।''

हाल ही में जारी की गई प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में 'धार्मिक अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी का देशभर में विश्लेषण' नामक विषय के माध्यम से बताया गया है कि बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी 1950 और 2015 के बीच 7.82ङ् घट गई है। जबकि मुस्लिमों की आबादी में 43.15ङ् की वृद्धि हुई है। मुस्लिमों की 1950 में 9.84ङ् रही आबादी 14.09ङ् पर पहुंच गई है। ईसाई धर्म के लोगों की आबादी की हिस्सेदारी 2.24ङ् से बढ़कर 2.36ङ् हुई है। ठीक ऐसे ही सिख समुदाय की आबादी 1.24ङ् से बढ़कर 1.85ङ् हो गई है। भारत में सद्गुणों से ओतप्रोत हिंदू नागरिकों की जनसंख्या यदि इस प्रकार घटती रही तो यह भारत के साथ पूरे विश्व के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है क्योंकि अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम आबादी (जो कि अपने धर्म के प्रति एक कट्टर कौम मानी जाती है तथा अन्य धर्मों के लोगों के प्रति बिलकुल सहशुण नहीं है और वक्त आने पर अन्य समाज के नागरिकों का कत्लेआम करने में भी हिचकिचाते नहीं है) में बेतहाशा वृद्धि होना, पूरे विश्व के लिए एक अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता है। यह बात ध्यान रखने वाली है कि ईरान कभी आर्यों का अर्थात पारसियों का देश था। इराक, सऊदी अरब ,पश्चिम एशिया के समस्त मुस्लिम देश 1400 वर्ष पूर्व भारतीय संस्कृति और सभ्यता को मानने वाले देश थे। तलवार के बल पर 57 देश इस्लाम को स्वीकार कर चुके हैं इनमें से कोई भी ऐसा देश नहीं है जो 1400 वर्ष पहले से अर्थात सनातन की भांति सृष्टि के प्रारंभ से मुस्लिम देश था। 1398 ईसवी में ईरान भारत से अलग हुआ, 1739 में नादिरशाह ने अफगानिस्तान को अपने लिए एक अलग रियासत के रूप में प्राप्त कर लिया, बाद में 1876 में यह एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आ गया,1937 में म्यांमार बर्मा अलग हुआ, 1911 में श्रीलंका अलग हुआ और 1904 में नेपाल अलग हुआ। सांप्रदायिक आधार पर देश विभाजन का यह सिलसिला यहीं नहीं रुका इसके पश्चात 1947 में पश्चिमी एवं पूर्वी पाकिस्तान देश बना। पूर्वी पाकिस्तान आज बांग्लादेश के रूप में मानचित्र पर उपलब्ध है।

आज एक बार पुनः भारत के भीतर जहां-जहां इस्लाम को मानने वाले लोगों की संख्या बहुलता को प्राप्त हो गई है, वहां वहां पर अनेक प्रकार की सामाजिक विसंगतियां, दमन और शोषण के नए-नए स्वरूप देखे जा रहे हैं। केरल, कश्मीर, पूर्वोत्तर भारत, बंगाल जहां जहां उनकी संख्या बहुलता में है, वहां - वहां दूसरे धर्म और जाति के लोग परेशान हैं। उपस्थित तथ्यों से सत्य को समझना चाहिए। इन आंकड़ों के आलोक में हमें समझना चाहिए कि हमारी बहू, बेटियां, महिलाओं की इज्जत कब तक सुरक्षित रह सकती है? निश्चित रूप से तब तक जब तक कि भारतवर्ष सनातनी हिंदुओं के हाथ में है। हमें इतिहास से शिक्षा लेनी चाहिए कि अब हम सांप्रदायिक आधार पर देश का पुनः विभाजन नहीं होने दें।

नोवाखाली जैसे नरसंहारों की पुनरावृत्ति अब हमारे देश में नहीं होनी चाहिए। भारत-पाकिस्तान के विभाजन के समय जिस प्रकार लाखों करोड़ों लोगों को घर से बेघर होना पड़ा था, उस इतिहास को अब दोहराया नहीं जाना चाहिए। भारत में आंतरिक स्थिति ठीक नजर नहीं आती है परंतु विश्व के कई अन्य देशों में सनातन संस्कृति को तेजी से अपनाया जा रहा है, तभी तो कहा जा रहा है कि विश्व में आज कई समस्याओं का हल केवल हिंदू सनातन संस्कृति को अपना कर ही निकाला जा सकता है। (लेखक/ ईएमएस-प्रहलाद सबनानी)

शाकाहारी समाज के साथ भरत सरकार का धोखा

देश में भारतीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों द्वारा खाद्य उत्पादों में जैसे बिस्किट, चॉकलेट आदि में मांसाहार मिश्रण कर उपभोक्ताओं के साथ धोखा किया जा रहा है। लेज में सूअर की चर्बी के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। कंपनियों द्वारा सरकार से मिलकर जो खाद्य उत्पाद बाजार में बेचे जा रहे हैं उनमें मांसाहार मिश्रण किया जा रहा है। कंपनियों द्वारा उत्पादन में मांसाहार का वितरण इ कोड के नाम पर किया जा रहा है। शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य पदार्थों को हरे एवं लाल रंग में वर्गीकृत करने के खेल में देश में कम्पनियों द्वारा समाज के साथ जबरदस्त धोखा किया जा रहा है। इसमें सरकार भी शामिल है। मांसाहारी पदार्थों के मिश्रण और प्रोडक्ट सोर्स इ कोड अंकित करने के खेल से आम नागरिक एवं समाज अनजान है। इस मामले में खोज खबर ली गई तो सारा माजरा सामने आ गया। हर घर में पाए जाने वाले पारले, सनफीस्ट, कैडबरी, नेस्ले, ब्रिटानिया, आईटीसी, प्रिया गोल्ड, रिंगली न्यू टोन, कैंडीमैन जैसी दर्जनों कम्पनियों के उत्पादन में मांसाहार का मिश्रण है। उल्लेखनीय है की कुछ दिन पूर्व लेज कुरकुरे जैसे खाद्य पदार्थों में मांसाहार का मिश्रण होने की खबर प्रमुखता से प्रकाशित हुई थी। इसके बाद भी धार्मिकता की हित संरक्षक समझी जाने बाली भाजपा सरकार ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पर इस खबर के बाद जागरूक नागरिकों धर्म गुरुओं और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं ने जरूर अपने-अपने प्रयास प्रारंभ किए हैं। लाल- हरे रंग के चिन्ह के नाम पर धोखा दिया जा रहा है। दुनिया में यूरोपियन देशों में खाद्य पदार्थों के लिए बनाए गए कड़े कानून के बावजूद भारत में सन 1993 में इस विषय में प्रयास शुरू हुए। मांसाहार के लिए लाल एवं शाकाहार के लिए हरे चिन्ह अंकित करने का नियम बनाया गया। सरकारी अधिसूचना के अंतर्गत पशु पक्षियों के बाल, नाखून, पंख, चर्बी और अंडे की जर्दी को मांसाहार की श्रेणी से बाहर रखा गया है। जिसके कारण विभिन्न देशी विदेशी कंपनियां अपने मांसाहारी खाद्य उत्पादकों पर हरा चिन्ह लगाकर शाकाहारी पदार्थों के रूप में बेच रहे हैं। जबकि असलियत कुछ और ही है। इन पदार्थों में मांसाहार भी मिश्रित है। भारत में भाजपा सरकार ने इन कंपनियों की धोखा धड़ी को नजर अंदाज कर इन पदार्थों में मिश्रित मांसाहार अवयवों को सीधे लाल चिन्ह न लगाकर इ कोड में लिखने के नियम बना दिया। इसके कारण आम उपभोक्ता अनजाने में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक तत्व का सेवन कर रहे हैं। विचारणीय विषय यह है कि इस अज्ञानता के कारण हमारे धार्मिक भावनाएं भी आहत हो रही है। हमने यह भी जानने का प्रयास किया है ही नंबर कोड का क्या है, मांसाहारी पदार्थों के मिश्रण को इ कोड नंबर में लेकर जाने के नियम क्यों और किसके के लिए बनाए गए हैं। यह ज्यादा सोध का विषय नहीं है। क्योंकि कोई भी अनपढ़ व्यक्ति भी समझ सकता है कि यह सारी प्रक्रिया उत्पादकों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा अपनायी गई है। वहीं जहां पर कोड की पहचान की बात है। तो अच्छा खासा पढ़ा लिखा नागरिक भी आसानी से उत्पाद कोड को नहीं समझ सकता। जीव हत्या पर प्रार्थना स्त्रोत को इ 471 इ 02 और संभावित जीव हत्या कर प्राप्त मांस स्त्रोत को इ 471, इ 322, इ 102 और संभावित जीव हत्या कर प्राप्त मांस को इ 472, इ 322, इ 481, इ 270, इ 322, इ 222 नंबर दिए गए हैं। इसके अलावा बच्चों के लिए हानिकारक स्त्रोत के लिए इ 296, इ 110, इ 102, इ 133 नंबर दिए गए हैं। पारले कंपनी के उत्पाद क्रेक जैक, पारले-जी, मोनाको, ऑरेंज क्रीम बिस्किट, बटरकप टॉफी, कच्चा मैंगो बाइट, किस्मी बार, बटर कप, सनफीस्ट कंपनी के उत्पाद, सनफीस्ट बिस्किट, स्पेशल बिस्किट, स्नेहको झिंगा, ग्लूकोज बिस्किट, कैडबरी के उत्पाद फाइव स्टार, डेरी मिल्क, बॉर्नविटा मिल्क पाउडर, इकलेयर चॉकलेट, मिल्क ट्रीट, जेम्स, लेस्ले की मिल्क चॉकलेट, मैगी, टोमेटो सॉस, नेस्ले बोरबन बिस्किट, ब्रिटानिया कंपनी के उत्पाद ब्रिटानिया 50-50, जिगजाग, गुड्डे और नाइस टाइम बिस्किट, प्रिया गोल्ड क्लासिक क्रीम, स्नीकाई सीएनसी कोकोनट बिस्किट, रिंगली के सेंटर फ्रेश, न्यू ट्रीन महालेक्टो, जेम्स और कैंडीमैन, मिंटो पेरीज बिगो, केपी फूड परपेटी के विभिन्न उत्पादों में कोड डाला है। भारत में खाद्य उत्पादकों कम्पनियों द्वारा शाकाहारी समाज को मांसाहारी उत्पाद धोखाधड़ी से बेचने के षड़यंत्र में धार्मिक संतों एवं बुद्धि जीवी जनों ने अपने स्तर पर प्रयास किये है। समाधिस्थ जैनाचार्य विद्यासागर जी महाराज ने जागरूकता के अनेक अभियान चलायें। वर्तमान में उनके शिष्य मुनि राजों एवं आर्यिकाओं द्वारा यह अभियान चलाया जा रहा है। गत दो वर्ष पूर्व राघौगढ़ नगर में आर्यिका निष्काम मती,विरत मती एवं तथा मती जी का वर्षायोग चातुर्मास हुआ। आर्यिका संघ ने लगातार चार माह तक जागरूकता अभियान चलाकर 5 वर्ष से 20 वर्ष तक के युवकों को आजीवन फास्ट फूड, मैंडी,बर्गर, चाउमिन, पिज्जा सहित इन कंपनियों के उत्पाद बिस्किट, चाकलेट आदि के त्याग की प्रतिज्ञा दिलायी। विचारणीय विषय यह है कि एक सौ चालीस करोड़ की जनसंख्या बाले देश में सौ, पांच सौ या एक हजार को प्रतिज्ञा दिलाने से सुधार नहीं नहीं होगा। जब तक केन्द्र सरकार इस धोखाधड़ी को रोकने कठोर कदम नहीं उठायेगी। लेकिन फिलहाल अभी केंद्र सरकार इसको रोकने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। हिंदुत्व के नाम पर एक बार फिर से सत्ता में आई भाजपा सरकार इस विषय पर एक बार बोलने का साहस भी नहीं दिखा पाई। भारत सरकार देश की जनता के साथ धोखा कर रही है। शाकाहारी होने के बावजूद भी लोगों को मांसाहार का सेवन करना पड़ रहा है। अगर आप शाकाहारी हैं और अपने खान-पान की चीजों को लेकर काफी सेलेक्टिव रहते हैं तो यह सुनिश्चित करें कि कहीं जाने-अनजाने आप भी तो ऐसा उत्पाद नहीं खा रहे हैं जिनमें नॉनवेज यानी कि पशु आधारित तत्व मिले हुए हैं। वीगन डाइट का पालन करने वाले लोगों को खाद्य पदार्थों के चयन को लेकर और भी अलर्ट रहने की जरूरत है।

(लेखक-वेद प्रकाश यादव/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8047

बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका, टूंटी
8. प्रलय, महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण, निर्मिती-3
14. हुनर, आर्ट-2
15. उम्मीद, आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल, अनुतीर्ण-3
20. आभास, भास-3
22. वध-2
24. जी, इच्छा, चित-2
25. सब्जी का सड़ना, बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम, राहत-3
4. मछली, मत्स्य, राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त, मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण, आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान, इमारत-3
21. कमी, थोड़ा-3
23. तज देना-2
24. इंकार, मनाही-2

शब्द पहेली -8046 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

हमेशा मोबाइल साथ रखने के ये हैं नुकसान

-निकलने वाले रेडिएशन का स्वास्थ्य पर पड़ता है बुरा असर

लंदन (ईएमएस)। एक्सपटर्स की मानें तो लोगों को स्मार्टफोन की लत लग गई है। स्मार्टफोन के फायदे भी हैं और नुकसान भी। कई तरह की रिसर्च में यह बात सामने आई है कि स्मार्टफोन के ज्यादा इस्तेमाल से आंखों को नुकसान पहुंचता है और इस वजह से स्लीपिंग डिसऑर्डर भी नहीं आने की समस्या होती है। हैरान करने वाली बात ये है कि ये आंखों के अलावा और भी तरह से सेहत को नुकसान पहुंचाता है, इससे निकलने वाले रेडिएशन का स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है।

लोग हर समय अपने साथ मोबाइल फोन रखते हैं, जो स्वास्थ्य की दृष्टि से अच्छा नहीं माना जाता है। आपके लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि रेडिएशन के कारण फोन को कहाँ नहीं रखना चाहिए। ऐसा देखा गया है कि युवा भी हर पल फोन अपने पास रखते हैं। रात को सोते समय इसे तकिये के नीचे रखते हैं। जानकारों के मुताबिक मोबाइल से निकलने वाली रेडिएशन दिमाग की सेहत को नुकसान पहुँचाती हैं। ऐसा कहा जाता है कि जो लोग लगातार तकिए के नीचे फोन रखते हैं, उन्हें एक बार में सिरदर्द और चक्कर आने जैसी समस्या होने लगती है। कई लोगों की आदत होती है कि वे फोन को पीछे की जेब में रखते हैं। आजकल युवाओं में फोन को बैक पॉकेट में रखने का चलन चल रहा है। ऐसा करने से भी शरीर को नुकसान पहुंचता है। जानकारों का मानना है कि फोन को ऐसे ही रखने से दिल से जुड़ी बीमारियां हो सकती हैं।

अगर आप हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारी से खुद को बचाना चाहते हैं तो गलती से भी फोन को शर्ट की जेब में रखने की आदत न डालें। कहा जाता है कि फोन से निकलने वाली रेडिएशन दिल को कमजोर कर देती है।जानकारों के मुताबिक इस स्थिति में पेट में दर्द और पैरों में दर्द की समस्या हो सकती है। साथ ही इस गलती से आपका फोन टूट या चोरी हो सकता है इसलिए स्मार्टफोन को ऐसे ही रखने से बचें। कई बार लोग जल्दबाजी में या आराम के लिए फोन को शर्ट की जेब में रखने लगते हैं।

खेल - समाचार

नाडा ने दूसरी बार बजरंग को निलंबित किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया की मश्किलें बढ़ गयी हैं। राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक एजेंसी (नाडा) ने पूनिया को दूसरी बार निलंबित कर दिया है। इससे तीन सप्ताह पहले भी उन्हें अस्थायी रुप से निलंबित किया गया था। नाडा का कहना था कि बजरंग ने सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए मूत्र के नमूने नहीं दिए थे। इसके बाद खेल की विश्व नियामक ईकाई यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भी उन्हें निलंबित कर दिया था। ऐसे में बजरंग ने इस अस्थायी निलंबन के खिलाफ नाडा की डोपिंग निरोधक अनुशासन पेनल (एडीडीपी) के सामने अपील की थी। एडीडीपी ने नाडा के आरोपों के संदर्भ में नोटिस जारी करने तक इसे रद्द कर दिया था, उसका कहना था कि इसके बारे में पहलवान को जानकारी नहीं दी गयी थी। नाडा ने रविवार को बजरंग को नोटिस जारी किया। नाडा ने बजरंगे को भेजे नोटिस में कहा कि यह आपके लिए औपचारिक नोटिस है कि आपको राष्ट्रीय डोपिंग निरोधक नियमों की धारा 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है और अब आप अस्थाई रूप से निलंबित हो गये हैं। पूनिया इस मामले में अपना जवाब 11 जुलाई तक का दे सकेंगे। उसमें अगर उनका जवाब सही रहा तभी निलंबन हटाया जाएगा।

नागल ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ियों में शामिल सुमित नागल ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सुमिन ने स्वयं कहा कि उन्होंने पुरुष एकल स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया है। नागल अब दूसरी बार ओलंपिक खेलेंगे। उन्होंने इससे पहले टोक्यो ओलंपिक में भी भाग लिया था। नागल ने सोशल मीडिया पर लिखा, ' मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मैंने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यह मेरे लिए एक यादगार क्षण है. क्योंकि ओलंपिक मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है.'

नागल ने कहा, 'टोक्यो ओलंपिक के बाद अब पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करना मेरा लक्ष्य था। अब मेरा लक्ष्य सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है।' वहीं अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने कहा कि इससे पहले जब खिलाड़ियों की रैंकिंग पर विचार किया गया था तब नागल वैकल्पिक खिलाड़ियों की सूची में थे पर अब उन्होंने क्वालीफाई कर लिया है। .

वहीं भारत के ही रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी पुरुष युगल स्पर्धा में शामिल होंगे। बोपन्ना को शीर्ष 10 खिलाड़ियों में होने के कारण अपना जोड़ीदार तय करने का अधिकार मिला हुआ था और इसके लिए उन्होंने बालाजी का नाम आगे रखा। जिससे एआईटीए ने मान लिया।

कमिंग टी20 विश्वकप में दो बार हैट्रिक लगाने वाले पहले गेंदबाज बने

सेंट विंसेंट (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने इस टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में दूसरी बार हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड बनाया है। कमिंस टी-20 विश्व कप के दो मैचों में लगातार हैट्रिक लेने वाले विश्व के पहले गेंदबाज बने हैं। कमिंस ने सुपर आठ के पहले मैच में बांग्लादेश और दूसरे मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ हैट्रिक लगायी है। कमिंस ने अफगानिस्तान के खिलाफ 18वें ओवर की अंतिम गेंद पर राशिद खान को आउट किया। इसके बाद 20वें ओवर की शुरुआती दो गेंदों में उन्होंने करीम जनत और गुलबदीन नईब के विकेट लेकर अपनी हैट्रिक पूरी की। इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ भी कमिंस ने इसी प्रकार 17 ओवर की अंतिम दो गेंदों और 18 ओवर की पहली गेंद पर विकेट लिया था। .

टीम 20 विश्व कप की पहली हैट्रिक साल 2007 में खेले गए शुरुआती सत्र में ऑस्ट्रेलिया के ब्रेट ली ने बांग्लादेश के खिलाफ लगायी थी। इसके बाद दूसरी हैट्रिक 14 साल बाद कर्टिस कैम्फर ने 2021 में नीदरलैंड्स के खिलाफ लगायी ली। उस सत्र में वानिंदु हसरंगा और कागिसो रबाडा ने भी ये कारनाम किया था जबकि 2022 सत्र में कार्तिक मेयप्पन और जोश लिटिल ने हैट्रिक ली थी।

विराट टी20 और एकदिवसीय में 3000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

एंटीगुआ (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप क्रिकेट के सुपर आठ मुकाबले में 35 रनों पर पहुंचते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। विराट अब टी20 और एकदिवसीय में 3000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। विराट ने इस मैच में 28 गेंदों में 37 रन बनाये। टी20 और एकदिवसीय में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। रोहित ने अब तक 2637 रन बनाये हैं। वहीं तीसरे नंबर पर डेविड वार्नर हैं। वार्नर के नाम 2637 रन हैं।

विराट ने इस विश्वकप में ग्रुप मैच में रन नहीं बनाये थे पर सुपर आठ में उन्होंने रन बनाने शुरु कर दिये हैं। इससे बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ का भी राहत मिली है। वह भी विराट के बल्ले से रन न निकलते देख परेशान दिखे थे।

टी20 विश्व कप सुपरआठ : अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सबसे बड़ा उलटफेर किया

गुरबाज, जादरान ने लगाये अर्धशतक, गुलबदीन ने लिए चार विकेट

किंग्सटन (ईएमएस)। रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान के अर्धशतकों के बाद गुलबदीन नाईब की घातक गेंदबाजी से अफगानिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर आईसीसी टी20 विश्व कप सुपरआठ में सबसे बड़ा उलटफेर किया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने 6 विकेट पर 148 रन बनाये। इसके बाद 149 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम 127 रनों पर ही आउट हो गयी। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम अफगान गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती दिखी। तेज गेंदबाज नवीन उल हक ने ऑस्ट्रेलायई टीम को शुरुआती झटके दिये जिससे टीम संभल नहीं पायी। इसके बाद गुलबदीन नाईब ने चार विकेट लेकर कंगारुओं को दबाव में ला दिया। गुलबदीन ने 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। गुलबदीन ने मार्कस स्टोइनिस और अर्धशतक जमाकर खेल रहे ग्लेन मैक्सवेल को आउट किया। इसके बाद टिम डेविड और फिर पैट कमिंस को भी पेवेलियन भेज दिया। केवल मैक्सवेल की कुछ हद तक टिक पाये और उन्होंने 35 गेंदों पर 5 चौके और 3 छक्के जमाते हुए 59 रन बनाये पर अपनी टीम को हारी से नहीं बचा पाये। इस मैच में टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगान टीम ने गुरबाज और जादरान की शतकीय साझेदारी से अच्छी शुरुआत की। गुरबाज ने 60 और जादरान ने 51 रन बनाये। इसके बाद के बल्लेबाजों ने टीम का स्कोर 148 रन तक पहुंचाया।

जाफर ने मीम शेयर कर ऑस्ट्रेलिया का मजाक उड़ाया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय टीम के पूर्व ओपनर वसीम जाफर ने अफगानिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की हार के बाद कंगारुओं का मजाक उड़ाया है। जाफर ने इस मैच को लेकर एक मीम शेयर किया है। जाफर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से लगातार एक से बढ़कर एक मीम शेयर किये हैं। जाफर ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें आईसीसी में ऑस्ट्रेलिया ने कैसे अफगानिस्तान को हराया था इसको लेकर बात है और साथ ही इसके जवाब में टी20 विश्व कप में अफगान टीम की जीत की भी चर्चा है। अफगानिस्तान की टीम ने पिछले साल भारत में खेले गए एकदिवसीय विश्व के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के सामने 292 रन का लक्ष्य रखा था। तक नवीन उल हक, ओमरजई और राशिद खान की शानदार गेंदबाजी के दम पर कंगारू टीम के 91 रन पर 7 विकेट गिरा दिए थे पर फिर ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी थी।

ऋषभ को विकेट गंवाने पर फटकारने के मूड में दिखे विराट

एंटीगुआ (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली टी20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में ऋषभ पंत के आउट होने पर निराश दिखे। ऋषभ इस मैच में काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे पर एक बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में कैच हो गये। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें ऋषभ के आऊट होते ही विराट के चेहरे पर निराश नजर आने लगी। ऋषभ जब डगआऊट में पहुंच गये तब विराट उनके पास पहुंचे और ऐसा लगा जैसे वह उन्हें खराब शॉट के लिए डांट लगाने वाले हों। जिस समय ऋषभ आउट हुए तब तक भारतीय टीम संभलने लगी थी और एक अच्छे स्कोर की ओर बढ़ रही थी। । ऋषभ ने अब तक विश्व कप में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक 152 रन रन बनाये हैं।

टी20 विश्वकप : भारतीय टीम सुपर आठ के तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने उतरेगी

ग्रोस आइलेट (ईएमएस)। भारतीय टीम सोमवार को टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के तीसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाने उतरेगी। भारतीय टीम ने अब तक सुपरआठ में अपने दोनो ही मुकाबले जीते हैं जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम ने पहले अफगानिस्तान और फिर बांग्लादेश को हराया है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले मैच में बांग्लादेश को हराया था पर दूसरे मैच में उसे अफगानिस्तान के हाथों हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसका मनोबल गिरा है।

अफगानिस्तान से हारने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया की सेमीफाइनल की राह भी कठिन हो गयी है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचनले के लिए भारतीय टीम के खिलाफ जीत के साथ ही ये भी उम्मीद करनी होगी कि अफगानिस्तान टीम बांग्लादेश से हार जाए। भारतीय टीम में इस मैच के लिए बदलाव की उम्मीद नहीं है क्योंकि अफगानिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया था। कप्तान रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली, हार्दिक पंडया और शिवम दुबे भी फार्म में आते दिख रहे हैं। वहीं गेंदबाजी में स्पिनर कुलदीप यादव जबरदस्त प्रदर्शन कर रहे हैं, ऐसे में यहां की स्पिन लेती पच पर उनका सामना करना ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए बेहद कठिन रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी पर कंगारु टीम की संभावनाओं को भी कम नहीं माना जा सकता क्योंकि वह इस मैच में जीत के लिए पूरा जोर लगा देगी।

ऑस्ट्रेलिया को हालांकि इस मैच में अपनी बल्लेबाजी ठीक करनी होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ उसके बल्लेबाज विफल रहे थे हालांकि गेंदबाजों का प्रदर्शन ठीक था। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनर एडम जम्पा और तेज गेंदबाज पैट कमिंस से सावधान रहना होगा। जम्पा एक शानदार स्पिनर हैं और यहां की पिच पर उन्हें सहायता भी मिलेगी। वहीं कमिंस ने पिछले दो मैच में लगातार हैट्रिक लेकर दिखाया है कि वह अभी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में शामिल हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांडया, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

ऑस्ट्रेलियाः मिशेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, ग्लेन मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड, डेविड वार्नर, एडम जम्पा।

कैंसर से प्रतिवर्ष 1.75 लाख से अधिक लोगों की मौत, अवेयरनेस कार्यशाला

नयी दिल्ली (ईएमएस)। वैश्विक कैंसर शोध संस्थानों में हर साल 4 लाख से अधिक किडनी कैंसर के नए मामले होते हैं। जिसमे से 1.75 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। साल 2020 में कैंसर के करीब 4.30 लाख से अधिक मामले आये थे। एक डॉ के अनुसार किडनी कैंसर के शुरुआती चरणों में आमतौर पर कोई भी लक्षण नहीं दिखाई देते हैं। कैंसर अवेयरनेस के लिये राजधानी दिल्ली में एक कार्यशाला हुई है।

हालांकि समय के साथ इसके लक्षण बढ़ते जाते हैं। किडनी कैंसर के कारण पीठ में अक्सर दर्द रहता है। इस दौरान भूख भी नही लगती है। बिना किसी प्रयास के वजन कम होता है। अक्सर थकान बनी रहती है। अगर ऐसे लक्षणों हों तब आपको सावधान हो जाना चाहिए। जेनरल सर्जन डॉ संतोष कुमार ने कहा की किडनी कैंसर का सबसे अच्छा इलाज सर्जरी है। 10-12 वर्ष पहले किडनी कैंसर का सर्जरी का मरीज आज स्वस्थ जीवन जी रहा है। यदि शुरूआत में ही इसका पता चल जाए तो 100 फीसदी इलाज संभव है। वरिष्ठ यूरोलॉजिस्ट डॉ कुमार राजेश रंजन के अनुसार किडनी कैंसर तब होता है। जब किडनी में मौजूद कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ कर ट्यूमर का रूप ले लेती हैं। यह ट्यूमर घातक हो सकता है। धूम्रपान, मोटापा, उच्च रक्तचाप, वंशानुगतता और गुर्दे की किसी बीमारी के अलावा अन्य कई कारक किडनी कैंसर के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

किडनी कैंसर के उपचार के लिए आमतौर पर सर्जरी के अलावा कीमोथेरेपी, रेडिएशन थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी का उपयोग किया सकता है। कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ अभिषेक आनंद के अनुसार यदि कोई चाहता है कि उसे किडनी कैंसर ना हो तो कुछ तरीके अपना कर इस जोखिम को कम किया जा सकता है। इसमें मुख्य की धूम्रपान से बचना, ब्लड प्रेशर और शरीर का वजन ठीक रखना और खाने में फलों और सब्जियों का सेवन करना व जंक फूड का इस्तेमाल बंद करना तथा नियमित व्यायाम करना है।

बसपा सुप्रीमों के फैसले और आकाश आनंद के परफार्म की परीक्षा, मायावती के भतीजे फिर बने उत्तराधिकारी

लखनऊ,(ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 में मिली करारी हार के बाद बसपा सुप्रीमों मायावती ने एक बार फिर अपने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है। इसी के साथ आकाश एक बार फिर बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक बना दिए गए हैं। इससे पहले शनिवार को उत्तराखंड उपचुनाव के लिए आनंद पार्टी के स्टार प्रचारक बनाए गए थे। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में मायावती के बाद दूसरे नंबर पर आनंद का ही नाम था। बसपा उपचुनाव में उतरेगी तो मायावती के फैसले और भतीजे आकाश आनंद के परफार्म की परीक्षा भी हो जाएगी।

जानकारी अनुसार लखनऊ में रविवार को मायावती ने बसपा के सभी प्रदेश प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें आकाश आनंद भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान आकाश आनंद ने बुआ मायावती के पैर छूए तो मायावती ने भी भतीजे के सिर पर प्यार से हाथ फेरा और दुलार करते हुए पीठ थपथपा दी। यहां बतलाते चलें कि लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान ही मायावती ने भतीजे आनंद को अपरिपक्व बता पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया था। इसके साथ ही उन्होंने अपना उत्तराधिकारी बनाने से भी इंकार कर दिया था। समझा जा रहा था कि मायावती ने यह फैसला उनकी आक्रामक शैली को देखते हुए लिया था। बहरहाल लोकसभा चुनाव में बसपा को मिली करारी हार के बाद मायावती ने एक बार फिर आकाश आनंद को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर सब कुछ सही है जैसा संदेश दे दिया है।

बताया जा रहा है कि मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को संयमित रहने की हिदायत देते हुए एक बार फिर पुरानी जिम्मेदारी सौंप दी है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल्द ही सभी 10 सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इस बार बसपा उपचुनाव लड़ने का मन बना चुकी है, ऐसे में सारी जिम्मेदारी भतीजे आकाश आनंद के कंधों में डालकर एक बार मायावती परिणाम देखना चाह रही हैं। ऐसे में पार्टी सुप्रीमो मायावती का यह फैसला कसौटी पर खरा उतरेगा या नहीं यह देखने वाली बात होगी। राष्ट्रीय संयोजक पद पर वापसी करने के साथ ही एक बार फिर उत्तर प्रदेश की जिम्मेदारी आकाश आनंद के कंधों पर है, इसलिए उपचुनाव के लिए टिकट बंटवारा और चुनाव प्रचार की जिम्मेदारी भी देखनी होगी।

छात्रों का हित और भविष्य हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः प्रधान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। नीट पेपर लीक मामले में पूरे देश विरोध और विपक्षी हमलों से सरकार की बदनामी हो रही है। इसको लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पारदर्शी, छेड़छाड़ मुक्त और त्रुटि रहित परीक्षाएं एक प्रतिबद्धता है। सरकार ने एनटीए डीजी सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया है। सुबोध की जगह प्रदीप सिंह खरोला को नया डीजी नियुक्त किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि छात्रों का हित और उनका उज्ज्वल भविष्य सदैव हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। शिक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि गठित समिति एनटीए की मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी), प्रोटोकॉल की गहन समीक्षा करना तथा प्रत्येक स्तर पर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निगरानी तंत्र के साथ-साथ इन प्रक्रियाओं को मजबूत करने के उपाय सुझाएगी। समिति एनटीए की मौजूदा डेटा सुरक्षा प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल का मूल्यांकन करना तथा इसके सुधार के लिए उपाय का सुझाव देगी।

नीट और यूजीसी-नेट की परीक्षा में हुई गड़बड़ी को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही एनटीए रविवार को छह केंद्रों पर उन 1,563 अभ्यर्थियों के लिए नीट की दोबारा परीक्षा आयोजित कर रही है ।

मानसून और जुलाई में आने वाले बजट पर रहेगी बाजार की नजर

- डॉलर के मुकाबले रुपया और कच्चे तेल की कीमत पर भी बाजार की नजर रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह निवेशकों की नजर मानसून की प्रगति, जुलाई में आने वाले बजट, विदेशी निवेशकों द्वारा किये जाने वाले निवेश, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल, कच्चे तेल की कीमत और वैश्विक बाजार पर भी बाजार की नजर रहेगी। वहीं वैश्विक स्तर पर अमेरिका में पहली तिमाही का जीडीपी डाटा और व्यक्तिगत उपभोग व्यय मूल्य सूचकांक के आंकड़े 27 और 28 जून को जारी किये जाएंगे। इनका असर बाजार पर देखने को मिल सकता है। बाजार ?विश्लेषकों का कहना है ?कि विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर सरकार के खरीफ फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) बढ़ाने से हुई लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह मजबूत रहे घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक के नतीजों का असर भी बाजार पर रहेगा। पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 217 अंक और निफ्टी में 35 अंक का इजाफा हुआ। निफ्टी बैंक बाजार का स्टार परफॉर्मर रहा। इसने करीब तीन प्रतिशत का रिटर्न दिया। भारतीय शेयर बाजारों के लिए पिछला सप्ताह कंसोलिडेशन वाला रहा। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब 0.2 प्रतिशत की मामूली बढ़त रही। यह लगातार तीसरा सप्ताह था, जब बाजार में साप्ताहिक रिटर्न सकारात्मक रहा है। बाजार ?विश्लेषकों का कहना है कि बाजार इस सप्ताह एक सीमित दायरे में रह सकता है। इसकी वजह बाजार में खरीदारी और बिक्री के लिए किसी मजबूत संकेत का न होना है। हालांकि, बाजार में अंडरकरेंट तेजी का है। अगर कोई भी गिरावट आती है तो वह खरीदारी का मौका होगी। वहीं अगर कोई बड़ी तेजी आती है तो मुनाफावसूली देखने को मिल सकती है। निफ्टी 23,400 अंक से 23,700 अंक की रेंज में रह सकता है। बैंक निफ्टी की टोन बुलिश है, लेकिन 51,500 अंक के ऊपर टिके रहना होगा। अगर 52,200 अंक के ऊपर जाता है तो 53,000 अंक को छू सकता है। सपोर्ट 49,900 अंक से लेकर 50,500 अंक के बीच है। अगर यह रेंज टूटती है तो यह 49,000 अंक तक भी उतर सकता है।

एक छात्र ने की उत्तरप्रदेश की ऐसी परिभाषा, कांग्रेस नेता की पोस्ट, खूब मिल रहे लाइक

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आज पूरे देश में पेपर लीक का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। हर कोई अपनी-अपनी तरफ से कयास लगा रहा है और कुछ सबूत भी मिले हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर इस मामले से जुड़े कई पोस्ट वायरल हो रहे हैं। एक ऐसे ही पोस्ट जो खूब वायरल हो रहा है। उसकी तारीफ कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरुर ने की है।

शशि थरूर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। ये सवाल यूपी से जुड़ा हुआ है और जवाब भी कहीं से कम नहीं है। वायरल हो रही आंसर शीट में सवाल पूछा गया है कि 'उत्तर प्रदेश किसे कहते हैं?' इसके जवाब में छात्र ने लिखा है- 'वह प्रदेश जहां परीक्षा से पहले उत्तर का पता चल जाए, उसे उत्तर प्रदेश कहते हैं।' छात्र के जवाब को देखते हुए टीचर ने भी उसे पूरे-पूरे नंबर दिए हैं। इसके साथ ही रिमार्क दिया है-'सम्मान लायक हो बेटा!'

सोशल मीडिया पर वायरल ये आंसर शीट कब और कहां की है, ये तो पता नहीं लेकिन कांग्रेस नेता शशि थरूर ने इसे शेयर किया है। थरुर ने इसके साथ कैप्शन लिखा है-शानदार! उनकी इस एक्स पोस्ट को कुछ ही घंटों में करीब दो लाख से ज्यादा लोग देख चुके हैं। इस पर अलग-अलग तरह के कमेंट भी आ रहे हैं. किसी यूज़र ने इसे मज़ेदार बताया तो किसी ने लिखा-किसी राजनेता के बेटे की कॉपी है।

यूक्रेन के हमलों से ज़ापोरीज़िया परमाणु ऊर्जा संयंत्र खतरे में, रुस कर सकता है बड़ी कार्रवाई

मॉस्को,(ईएमएस)। रुस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब अपने परिणाम की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। दरअसल यूक्रेन ने ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं, जिससे रुस खासा नाराज है और आशंका जाहिर की है कि इससे उसके परमाणु ऊर्जा संयंत्र को खतरा हो सकता है। इसके बाद रुस बड़ी कार्रवाई करने की स्थिति में आ गया है।

जानकारी अनुसार यूकेन के ड्रोन हमलों से परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर खतरा मंछरा रहा है। ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र (जेडएनपीपी) के गृह नगर एनरगोडार पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने हाल ही में ड्रोन हमले किए था। इन हमलों से परमाणु सुविधा की सुरक्षा के बारे में गंभीर चिंताएं खड़ी हो गईं हैं। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि ड्रोन हमलों के चलते अनेक जगह की बिजली गुल हो गई थी। जेडएनपीपी के निदेशक यूरी चेर्निचुक का इस संबंध में कहना है कि शुक्रवार को रेडुगा सबस्टेशन पर ड्रोन हमले हुए जिस कारण जेडएनपीपी के कई डिवीजनों में बिजली चली गई, प्रभावित क्षेत्रों में प्रिंटिंग हाउस, पीने के पानी की आपूर्ति करने वाले पंप स्टेशन और उत्पादन और तकनीकी उपकरण प्रबंधन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि यह हमला स्टेशन के संचालन के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर सीधा किया गया है। ऐसे में हमला जेडएनपीपी की सुरक्षा प्रभावित करता है।

जीएसटी परिषद जीओएम का पुनर्गठन करेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद को उसके तहत आने वाले तीन मंत्री समूहों (जीओएम) का पुनर्गठन करना होगा। इसकी वजह 11 राज्यों के नए मंत्री परिषद में शामिल होना बताई गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि हाल ही में हुई जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मिजोर म, ओडिशा, राजस्थान, सिक्किम ा, तेलंगानाऔर त्रिपुरा से 11 नए मंत्री शामिल हुए। जीएसटी परिषद की 52वीं बैठकसातअक्टूबर,2023 को आयोजित की गई थी। परिषद में नए मंत्रियों के शामिल होने के साथ जीएसटी से राजस्व के विश्लेषण, जीएसटी के तहत रियल एस्टेट क्षेत्र को बढ़ावा देने और जीएसटी प्रणाली में सुधार पर तीन मंत्री समूहों का पुनर्गठन किया जाएगा। जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्री समूह का फरवरी में ही पुनर्गठन किया जा चुका है। इसके संयोजक बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हैं, जबकि अन्य तीन के पुनर्गठन की अधिसूचना अभी तक जारी नहीं हुई है। जीएसटी से प्राप्त राजस्व के विश्लेषण पर गठित मंत्री समूह में ओडिशा से नए वित्त मंत्री को शामिल किया जाना है। ओडिशा में भाजपा ने विधानसभा चुनाव जीतकर इसी महीने सरकार बनाई है।

मोदी सरकार पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाएगी, कम हो जाएंगे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली (ईएमएस)। नरेंद्र मोदी सरकार पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए ?विचार कर रही है। इसके ?लिए वह सभी राज्यों को इस पर सहमत होने का इंतजार कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्र सरकार की मंशा हमेशा से पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की रही है और अब राज्यों को एक साथ आकर इसकी दर तय करनी है। गौरतलब है कि देश में जीएसटी को जब एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था, उसमें एक दर्जन से अधिक केंद्रीय और राज्य शुल्कों को शामिल किया गया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी कानून में शामिल करने का प्रावधान पहले ही कर दिया है। अब बस राज्यों को एक साथ आकर इसकी दर तय करने के लिए चर्चा करना होगा। सीतारमण ने जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक के बाद कहा कि एक बार यह निर्णय हो जाने के बाद इसे अधिनियम में शामिल कर दिया जाएगा। एक जुलाई, 2017 से लागू जीएसटी में एक दर्जन से अधिक केंद्रीय और राज्य शुल्कों को शामिल किया गया था। हालांकि, यह फैसला किया गया कि पांच वस्तुओं, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर जीएसटी कानून के तहत बाद में कर लगाया जाएगा।

सीजीएसटी के तहत लगभग दो फीसदी करदाताओं को नोटिसः सीतारमन

नई दिल्ली (ईएमएस)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि केंद्रीय जीएसटी प्रशासन के तहत कुल 58.62 लाख करदाताओं में दो प्रतिशत से भी कम को कर नोटिस भेजे गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का इरादा अनुपालन आवश्यकताओं को कम करके जीएसटी करदाताओं के जीवन को आसान बनाना है। उन्होंने कहा ?कि मैं करदाताओं को भरोसा देती हूं कि हमारा इरादा जीएसटी करदाताओं के जीवन को आसान बनाना है। हम कम से कम अनुपालन की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने जीएसटी परिषद की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सीजीएसटी की ओर से सभी सक्रिय करदाताओं में केवल 1.96 प्रतिशत को केंद्रीय जीएसटी से नोटिस भेजे गए हैं।

एफपीआई ने जून में अब तक शेयरों में 12,170 करोड़ निवेश किया

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम चुनाव के नतीजों के बाद मजबूती के साथ वापसी करते हुए विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में अब तक भारतीय शेयर बाजार में 12,170 करोड़ रुपये डाले हैं। नीतिगत मोर्चे पर निरंतरता और सतत आर्थिक वृद्धि की उम्मीद में एफपीआई का भारतीय शेयर बाजारों के प्रति आकर्षण बढ़ा है। इससे पहले मई में चुनावी नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच एफपीआई ने शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये की निकासी की थी। वहीं मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि की चिंताओं के बीच उन्होंने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि निकाली थी।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि ताजा निवेश के बाद 2024 में एफपीआई की शेयरों से निकासी 11,194 करोड़ रुपये रही है। मोजोपीएमएस के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि वर्तमान में भारतीय शेयर बाजार के उच्च मूल्यांकन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का प्रवाह प्रभावित रहेगा। इसके अलावा वृद्धि को समर्थन देने वाले बजट की उम्मीद से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 10,575 करोड़ रुपये डाले हैं।

अमेरिका में बाढ़ से घर छोड़ने को मजबूर लोग, कई क्षेत्र भीषण गर्मी झेल रहे

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के आयोवा राज्य में लगातार हो रही बारिश से आई बाढ़ ने लोगों को घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। वहीं अमेरिका के ज्यादातर हिस्से अब भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। आयोवा के रॉक वैली में सुबह सायरन बजने लगे और लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया। लोगों को बताया कि क्षेत्र की नदी 'रॉक' में बारिश के कारण जलस्तर बढ़ गया है और तटों को तोड़ते पानी शहर में घुस रहा है।

मेयर केविन वान ओटरलू ने कहा कि एक सरकारी हेलीकॉप्टर मदद के लिए आ रहा था लेकिन यह देखा गया कि नावें जलमग्न इलाकों में निवासियों तक पहुंचने में सक्षम हैं तो उसे वापस बुला लिया। उन्होंने कहा कि कल रात डेढ़ घंटे में चार इंच बारिश हुई। गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने उत्तरी आयोवा के 21 काउंटी के लिए आपदा की घोषणा की है, जिसमें सिउक्स काउंटी भी शामिल है और रॉक वैली भी।

स्थानीय शेरिफ ने ड्रोन से लिए वीडियो पोस्ट किए जिसमें सड़क दिखाई नहीं दे रही, केवल छतें और पेड़ों की चोटियां पानी से ऊपर दिखाई दे रही हैं। अमेरिका के कई हिस्सों में तेज गर्मी और उमस के हालात भी बने हुए हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा कि करीब डेढ़ करोड़ लोग ऐसे स्थानों पर हैं जहां 'गर्मी की चेतावनी' जारी की गई है वहीं नौ करोड़ लोग ऐसे स्थान पर हैं जहां के लिए गर्मी की थोड़ी कम स्तर की चेतावनी जारी की गई है। देश भर में लाखों लोगों का जीवन तेज गर्मी के कारण अस्त-व्यस्त हो गया है।

घरों पर टपकने लगे चीनी रॉकेट के टुकड़े, लोगों में मची अफरा तफरी

बीजिंग(ईएमएस)। चीन और फ्रांस ने मिलकर संयुक्त रूप से लॉन्च किए गए उपग्रह ले जाने वाले लॉन्ग मार्च 2-सी रॉकेट में विस्फोट हो गया। इसका एक हिस्सा पृथ्वी पर एक आवासीय क्षेत्र में गिर गया। इससे लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ देर तक लोगों को लगा कि आसमान से कोई चीज धरती पर गिरी है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें रॉकेट एक आबादी वाले इलाके में गिरता हुआ दिखाई दे रहा है। यान का हिस्सा गिरने से लोगों में दहशत फैल गई और वे बचने के लिए इधर-उधर भागने लगे। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, यह उपग्रह अंतरिक्ष-आधारित मल्टी-बैंड वैरिएबल ऑब्जेक्ट मॉनिटर (एसवीओएम) को दक्षिण पश्चिम चीन के सिचुआन प्रांत में ज़िचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से लॉन्ग मार्च -2 सी रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था।

जानकारी के अनुसार, स्पेस वेरिएबल ऑब्जेक्ट मॉनिटर (एसवीओएम) नामक उपग्रह के साथ अंतरिक्ष यान ने 22 जून (स्थानीय समय) को सुबह 3.00 बजे ज़िचांग सैटेलाइट लॉन्च सेंटर से उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद रॉकेट का एक हिस्सा वापस धरती पर गिर गया। धरती पर रॉकेट का जो हिस्सा गिरा, उसे बूस्टर कहा जाता है। हालांकि, चीनी अधिकारियों ने मिशन को सफल घोषित करते हुए पुष्टि की कि उपग्रह अब तक का सबसे शक्तिशाली उपग्रह है और सफलतापूर्वक अपनी कक्षा में पहुंच गया है। चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के अनुसार, उपग्रह का मिशन गामा-किरण विस्फोट सहित खगोलीय घटनाओं का अध्ययन करना है। यह चीन और फ्रांस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया पहला खगोल विज्ञान उपग्रह है, जो अंतरिक्ष और चंद्र अन्वेषण में चीन की बढ़ती ताकत को दिखाता है।

इजरायली सेना की दरिंदगी, घायल को बोनट पर बांधकर शहर में घुमाया

जेनिन,(ईएमएस)। इजराइल और हमास के बीच युद्ध खत्म नहीं हो रहा है और यह युद्ध क्रूरता की हदें पार कर रहा है। इजरायली रक्षा बलों की दरिंदगी और हैवानियत लगातार दुनिया के सामने आ रही हैं। इजरायली सैन्य बलों ने पहले राहत शिविरों में सो रहे मासूमों पर बम बरसाकर उन्हें मौत की नींद सुला दिया और तबाही मचाई।

अब एक और घटना ने आईडीएफ के दावों की पोल खोल दी है। शनिवार को अपने कब्जे वाले पश्चिमी तट के शहर जेनिन में इजरायली रक्षा बलों ने एक घायल फिलिस्तीनी व्यक्ति को जीप के बोनट पर बांधकर शहर में घुमाया। इस घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। और लोग इजराइल सेना की क्रूरता की निंदा कर रहे हैं। घटना सामने आने के बाद इजरायल ने मामले में जांच शुरू करने का आदेश दिया है।

इजरायली रक्षा बलों की दरिंदगी दिखा रहे इस वीडियो में दिख रहा है कि एक फिलिस्तीनी युवक मुजाहिद आज़मी है, उसे एक जीप के बोनट पर बांधकर घुमाते हुए देखा जा सकता है। जीप दो एंबुलेंस को पार करते हुए आगे बढ़ते दिखाई दे रही है। उधर, इज़रायली सेना ने कहा कि उसके सैन्य बलों पर गोलीबारी की गई और दोनों ओर से गोलीबारी हुई, जिसमें एक संदिग्ध घायल हो गया और उसे पकड़ लिया। सैनिकों ने सैन्य प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया। बयान में कहा गया है कि घटना के वीडियो में दिख रहे बलों का आचरण इजरायली सेना के मूल्यों के अनुरूप नहीं है और इस घटना की जांच की जाएगी तथा उससे निपटा जाएगा। सेना ने बताया कि व्यक्ति को उपचार के लिए चिकित्सकों के पास भेजा है।

उधर, आज़मी के परिवार के मुताबिक छापेमारी के दौरान यह घटना हुई। उनका कहना है कि आजमी की गिरफ्तारी के लिए इजरायली सेना बड़ी संख्या में जबरन उनके घर में घुस गई। गोलीबारी के दौरान वह घायल हो गए। जब परिवार ने एम्बुलेंस की मांग की तो सेना जबरन उसे जीप के बोनट पर बांधकर अपने साथ ले गई।

बिना हाथ लगाए ताइवान को दबोच सकता है चीन, अमेरिका के थिंक टेंक ने चेताया, बढ़ी टेंशन

वाशिंगटन(ईएमएस)। वाशिंगटन के थिंक टैंक सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के बीच कायम समुद्री सीमा में तनाव तेजी से बढ़ता दिख रहा है क्योंकि चीन ताइवान के खिलाफ क्वारंटाइन स्ट्रेटिजी अपना रहा है जिसके तहत ताइवान को अलग-थलग करने की रणनीतिक कोशिश साफ सामने है। चीन अमेरिका से सीधे सीधे टकराव को अवॉइड करते हुए ताइवान पर प्रेशर बड़ा रहा है। अमेरिका हमेशा से ताइवान का पक्ष लेता रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं कि चीन के साथ ताइवान के आर्थिक संबंधों के चलते चीन के इन कदमों से इंटरनेशनल रिलेशन्स और वैश्विक व्यापार पर बुरा असर पड़ेगा। इस रणनीति से चीन ताइवान को दुनिया से पूरी तरह काटेगा नहीं बल्कि ताइवान के समुद्री और हवाई कॉमर्स पर कंट्रोल करने लग सकता है।

खान पान और दवा जैसी जूररी आवश्यकताएं ताइवान को मिलती रहेंगी जिससे चीन यह दावा कर सकेगा कि किसी तरह की कोई परेशानी है ही नहीं। मगर वह कुछ खास सेगमेंट की सप्लाई रोकेगा जैसे कि ताइवान को अमेरिकी हथियारों की शिपमेंट। वैसे जानकार मानते हैं कि चीन की इस रणनीति से ताइवान को अपनी स्वतंत्रता की आधिकारिक घोषणा करनी पड़ सकती है जिसका चीन हमेशा से जबरदस्त विरोध करता आया है।ताइवान की स्वतंत्रता के कट्टर समर्थकों के लिए बाकायदा दंड का ऐलान किया है। यहां तक कि 'विशेष रूप से गंभीर' मामलों के लिए मौत की सजा को शामिल करने की घोषणा तक कर दी थी और इस बारे में करने के बारे में एक नोटिस जारी किया था। ताइवान ने इस बीच कहा कि बीजिंग का 'पूरे ताइवान पर कोई कानूनी अधिकार क्षेत्र नहीं है' और उसके नियमों का 'हमारे लोगों को मानने के लिए कोई जबरदस्ती नहीं है।

भविष्यवाणीः पहले भीषण गर्मी से लोग मरेंगे फिर बाढ़ बढ़ाएगी मुश्किलें

पेरिस (ईएमएस)। मशहूर भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस ने 2024 को लेकर अपनी भविष्यवाणी में चेतावनी दी थी कि इस साल धरती पर जलवायु परिवर्तन का कहर टूटेगा। इसमें कहा गया है कि सूखी धरती और अधिक झुलस जाएगी और जब यह नजर आने लगेगा तो एक भयंकर बाढ़ आएगी। नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी ग्रीनहाउस प्रभाव के कारण बढ़ते वैश्विक तापमान और गर्मी की लहर का संकेत हो सकता है। जिस तरह से धरती का तापमान इस समय तेजी से बढ़ रहा है, यह नास्त्रेदमस की भविष्यवाणी के बेहद करीब जाता दिखाई दे रहा है। बीते महीने को ही देखें तो इसने अब तक के सबसे गर्म मई होने का रिकॉर्ड बना लिया है।

मई महीने में औसत वैश्विक तापमान 12.97 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था, जो 1991-2020 के औसत से 0.65 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है। वहीं, 1850-1900 के पूर्व औद्योगित औसत से तुलना करें तो यह 1.52 डिग्री सेल्सियस गर्म रहा था। जुलाई 2023 के बाद से यह महीना लगातार 11वां महीना था, जो पेरिस समझौते द्वारा निर्धारित 1.5 डिग्री से ज्यादा गर्म रहा।

हालात ये हैं कि भारत समेत पूरी दुनिया में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। सऊदी अरब में हज यात्रा के दौरान 1000 से ज्यादा मौतें हों या दक्षिण एशिया से लेकर दक्षिण पूर्व एशिया तक चल रही खतरनाक हीटवेव, इन सबके पीछे धरती का लगातार बढ़ता तापमान जिम्मेदार है। यूरोपीय जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के अनुसार, मई 2024 अब तक रिकॉर्ड इतिहास में सबसे गर्म मई दर्ज की गई है। सिर्फ यही नहीं, यह लगातार 12वां महीना रहा है जब पृथ्वी का तापमान रिकॉर्ड रूप से उच्च दर्ज हुआ है। जून 2023 के बाद से हर महीनी रिकॉर्ड स्तर पर सबसे गर्म रहा है। भयंकर पड़ रही गर्मी ने एक बार फिर मशहूर भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस की उस भविष्यवाणी की चर्चा तेज कर दी है, जो उन्होंने साल 2024 के लिए की थी।

65 फीसदी बढ़े खाद्य पदार्थों के दाम, सबसे ज्यादा भाव प्याज, आलू और टमाटर के बढ़े

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में लगातार खाने-पीने की चीजों में भी बेतहासा बढ़ोतरी हो रही है। बीते एक साल में खाद्य पदार्थों के दाम 65 फीसदी तक बढ़ गए हैं। इसमें रोजाना उपयोग होने वाली सब्जियां भी शामिल हैं। सब्जियों की बढ़ती कीमतों की वजह से ज्यादातर घरों की रसोई से अब सब्जियां ही गायब होने लगी हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के मुताबिक इस दौरान सबसे ज्यादा दाम प्याज, आलू और टमाटर के बढ़े हैं। इसके साथ ही दाल, चावल और खाने-पीने की अन्य वस्तुएं भी काफी महंगी हुई हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट पर उलपब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल 21 जून को चावल की कीमत 40 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 45 रुपए प्रति किग्रा हो गई है जबकि मूंग दाल के दाम 109 रुपए से बढ़कर 119 रुपए पहुंच गए हैं। वहीं मसूर दाल की कीमत 92 रुपए से बढ़कर 94 रुपए हो गई है और चीनी के दाम 43 रुपए से बढ़कर 45 रुपए प्रति किलोग्राम हो गए हैं। वहीं दूध की कीमत 58 रुपए से बढ़कर 59 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं इस दौरान खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है।

मूंगफली तेल का दाम लगभग स्थिर बने हुए हैं जबकि सरसों का तेल 142 रुपए से घटकर 139 रुपए लीटर पर आ गया है जबकि सोया तेल के दाम 132 से कम होकर 124 रुपए लीटर हो गए हैं। वहीं पाम ऑयल की कीमत 106 रुपए से गिरकर 100 रुपए प्रति लीटर पर आ गए हैं जबकि चाय का भाव 274 रुपए से बढ़कर 280 रुपए प्रति किग्रा हो गया है। वहीं खुदरा बाजारों के आंकड़ों के मुताबिक, सब्जियों की कीमतें भी आसमान पर हैं। बाजार में फूलगोभी 80 रुपए प्रति किग्रा तो खुदरा बाजार में परवल का भाव 60 रुपए प्रति किलोग्राम चल रहा है जबकि लौकी का भाव 60 रुपए प्रति किग्रा हो गया है। वहीं आलू का भाव आलू 22 रुपए से बढ़कर 32 किग्रा हो गया है जबकि प्याज 23 रुपए से बढ़कर 38 रुपए प्रति किग्रा हो गई है। टमाटर के दाम 32 रुपए से चढ़कर 48 रुपए प्रति किग्रा तक पहुंच गए हैं जबकि अरहर दाल का भाव 128 रुपए से बढ़कर 161 रुपए प्रति किग्रा हो गया है जबकि उड़द दाल 112 से 127 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गई है।

घनी दाढ़ी के बाद इस देश में हिजाब पर लगा प्रतिबंध

दुशांबे (ईएमएस)। मध्य एशियाई देश ताजिकिस्तान ने 19 जून को संसद के ऊपरी सदन द्वारा विधेयक को मंजूरी देने के बाद हिजाब प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार, यह विधेयक संसद के ऊपरी सदन मजलिसी मिल्ली के 18वें सत्र के दौरान पारित किया गया, जिसकी अध्यक्षता इसके प्रमुख रुस्तम इमोमाली ने की।

अपने विधेयक में, मिल्ली ने दो सबसे महत्वपूर्ण इस्लामी त्यौहारों - ईद-उल-फितर और ईद-उल-अज़हा के लिए विदेशी परिधान और बच्चों के जश्न पर प्रतिबंध लगा दिया। इन मुस्लिम त्यौहारों को ईदगरदक के नाम से जाना जाता है, जिसके दौरान बच्चे लोगों को बधाई देने के लिए अपनी गलियों में घरों में जाते हैं। 8 मई को, देश की संसद के निचले सदन मजलिसी नमोयंदगोन ने विधेयक को मंजूरी दे दी। यह पारंपरिक परिधानों, विशेष रूप से हिजाब, जो एक इस्लामी सिर का दुपट्टा है, पर लक्षित है।

यह घटनाक्रम मजलिसी नमोयंदगोन द्वारा प्रशासनिक उल्लंघन संहिता में संशोधन को मंजूरी दिए जाने के बाद हुआ है। नए संशोधनों के अनुसार, कानून का उल्लंघन करने पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सांसदों ने अपराधियों के लिए जुर्माना लगाया है, जो व्यक्तियों के लिए 7,920 सोमोनी से लेकर कानूनी संस्थाओं के लिए 39,500 सोमोनी तक है। इसके अलावा, सरकारी अधिकारियों और धार्मिक अधिकारियों पर दोषसिद्धि होने पर क्रमशः 54,000 सोमोनी से लेकर 57,600 सोमोनी तक का जुर्माना लगाया जाता है।

हिजाब पर ताजिकिस्तान का आधिकारिक प्रतिबंध कई वर्षों के अनौपचारिक प्रतिबंध के बाद आया है। देश ने अनौपचारिक रूप से घनी दाढ़ी पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। 2007 में, शिक्षा मंत्रालय ने छात्रों के लिए इस्लामी परिधान और पश्चिमी शैली की मिनीस्कर्ट दोनों पर प्रतिबंध लगाया था और बाद में प्रतिबंध को सभी सार्वजनिक संस्थानों तक बढ़ा दिया था। हाल के वर्षों में, ताजिक सरकार ने ताजिक राष्ट्रीय पोशाक पहनने को प्रोत्साहित करने के लिए एक अभियान शुरू किया है, जैसा कि 2018 में जारी ताजिकिस्तान में अनुशंसित पोशाकों की गाइडबुक में बताया गया है। 2017 में, कई मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं को सरकार से संदेश मिले, जिसमें महिलाओं से ताजिक राष्ट्रीय पोशाक पहनने का आग्रह किया गया था।

नीट यूजी पशीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकश

शजकोट में दोबाश नीट कशाने के खिलाफ छात्रों का विशोध प्रदर्शन

छात्रों का कहना है कि उन्होंने मेहनत से पशीक्षा दी औश अंक हासिल किए, ऐसे में दोबाश पशीक्षा नहीं होनी चाहिए

राजकोट, २३ जून। नीट युजी २०२४ शविवाश को उन छात्रों के लिए दोबाश नीट यूजी पशीक्षा कशाई जा शही है जिन्हें ग्रेस मार्क्स दिए गए थे। इसी बीच कई छात्रों ने सभी अभ्यर्थियों के लिए पूरी नीट पशीक्षा नए सिरे से कशाने का विशोध किया है। गुजशात के शजकोट में छात्रों ने इसे लेकश विशेष प्रदर्शन किया। जानिए छात्रों की क्या है डिमांड। नीट यूजी पशीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकश जगह-जगह पश छात्रों का विशोध प्रदर्शन जाशी है। कुछ छात्र पशीक्षा दोबाश कशाने की मांग कश शहे हैं तो कुछ शी-एग्जाम का विशोध कश शहे हैं। शविवाश को गुजशात के शजकोट में भी छात्रों ने दोबाश पशीक्षा कशाने को लेकश विशोध प्रदर्शन किया। छात्रों का कहना है कि उन्होंने मेहनत से पशीक्षा दी औश अंक हासिल किए, ऐसे में दोबाश पशीक्षा नहीं होनी चाहिए।

नीट-यूजी की एक अभ्यर्थी पलक ने समाचाश एजेंसी एएनआई से कहा, 'मैंने नीट-यूजी पशीक्षा में ६८२ अंक हासिल किए हैं। दोबाश पशीक्षा नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हमने कड़ी मेहनत औश समर्पण के साथ ये अंक हासिल किए हैं। जिन छात्रों ने ६०० से कम अंक हासिल किए हैं, वे दोबाश नीट कशाने की मांग कश शहे हैं। १.५ महीने के अंतशाल के बाद दोबाश अच्छा स्कोश कश्ना आसान नहीं होगा। हम इसमें भविष्य के साथ खिलवाड़ कश्ने जैसा है।'

गौशतलब है कि शाष्ट्रीय पशीक्षा एजेंसी द्वाशा इक्ष्छक्ष-२०२४ पशीक्षा का आयोजन ५ मई को कशाया गया था। वहीं, इसके पशिणाम ४ जून को घोषित किए गए थे। नतीजों के बाद अनियमितताओं औश पेपश लीक के आशोपों पश बवाल मच गया। नतीजों से पता चला कि ६७ छात्रों ने ७२० अंकों के साथ पशीक्षा में टॉप किया है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने १,५०० से अधिक छात्रों की दोबाश पशीक्षा की अनुमति दी थी, जिन्हें ग्रेस मार्क्स दिए गए थे।

इस बीच पशीक्षा स्थगित कश्ने को लेकश कई शज्यों में चल शहे विशोध प्रदर्शन के बीच केंद्र सशकाश ने कड़े एक्शनलेतेहुए एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमाश सिंह को हटा दिया। उनकी जगह प्रदीप सिंह खशोला को एनटीए का नया महानिदेशक बनाया गया है। साथ ही सशकाश ने पशीक्षाओं में पाशदर्शिता सुनिश्चित कश्ने के लिए विशेषज्ञों की एक उच्च स्तशीय समिति का गठन किया है। शिक्षा मंत्रालय ने पशीक्षाओं की पाशदर्शी औश निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित कश्ने के लिए इसशो एवं आईआईटी कानपुश के पूर्व अध्यक्ष डॉ के शाधाकृष्णन की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की एक उच्च स्तशीय समिति का गठन किया है। साथ ही नीट यूजी पशीक्षा २०२४ में कथित अनियमितताओं की जांच भी सीबीआई को सौंपी गई है। सशकाश ने पशीक्षा से संबंधित किसी भी अनियमितता में शामिल पाए जाने वाले व्यक्तिके खिलाफ सख्त से सख्त कार्ईवाई का आश्वासन दिया है।

केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के बयान पश पलटवाश किया

भाजपा के पूर्व विधायक व मंत्री जवाहश चावड़ा ने पार्टी के खिलाफ बजाया बिगुल

मांडविया ने चावड़ा का नाम लिए बिना यह बयान दिया था कि जो अपने नाम के साथ भाजपा लिखते हैं उन्हें पार्टी के लिए काम कश्ना चाहिए

अहमदाबाद, २३ जून। पूर्व कैबिनेट मंत्री जवाहश चावड़ा ने सोशल मीडिया पश वीडियो जाशी कश केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के बयान पश पलटवाश किया। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद भी भाजपा में आंतरिक कलह खत्म होने का नाम नहीं ले शही।

भाजपा के पूर्व विधायक व कैबिनेट मंत्री शहे जवाहश चावड़ा ने पार्टी के खिलाफ विशेध का बिगुल बजा दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पश वीडियो जाशी कश केन्द्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के बयान पश पलटवाश किया है। साथ ही अपने सोशल मीडिया अकाउंट से भाजपा का चुनाव चिह्न औश संबंधित सभी पोस्ट भी हटा दिए।

चावड़ा ने अपने वीडियो में केन्द्रीय मंत्री मांडविया पश निशाना साधा औश भाजपा के चुनाव चिह्न वाला कागज भी हटाते नजश आए। मांडविया ने चावड़ा का नाम लिए बिना यह बयान दिया था कि जो अपने नाम के साथ भाजपा लिखते हैं उन्हें पार्टी के लिए काम कश्ना चाहिए। चावड़ा ने वीडियो में कहा कि यह बात उन्हें चुनाव से पहले या चुनाव के दौशन बोलनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि मेशी पहचान अलग है। मांडविया पोश्बंदश लोकसभा सीट से सांसद है औश इसके तहत माणावदश विधानसभा सीट भी शामिल है।भाजपा के पार्टी विशेधी गतिविधियों को लेकश कार्ईवाई कश्ने से पहले ही चावड़ा ने वीडियो जाशी किया औश मांडविया का नाम लेते हुए पलटवाश भी किया। लंबे समय तक कांग्रेस के साथ शहे २०१७ के गुजशात विधानसभा चुनाव में लगाताश तीसशी बाश माणावदश सीट से कांग्रेस के टिकट पश विधायक चुने गए। हालांकि २०१९ में लोकसभा चुनाव के बाद वे भाजपा में शामिल हुए। २०१९ के उपचुनाव में वे अपनी पश्ंपशागत सीट-माणावदश- से जीते। इसके बाद उन्हें विजय रूपाणी मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री भी बनाया गया। हालांकि रूपाणी मंत्रिमंडल को हटाते समय उन्हें भी मंत्री पद से हाथ धोना पड़ा था। २०२२ के विधानसभा चुनाव में उन्हें हाश का सामना कश्ना पड़ा। वे कांग्रेस के अश्विंद लाडाणी से हाश गए थे हालांकि लाडाणी भी इस वर्ष लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस से भाजपा में शामिल हो गए। उपचुनाव में उन्हें जीत मिली।

चावड़ा लाडाणी को टिकट दिए जाने से चावड़ा नाखुश थे औश वे चुनाव के दौशन प्रचाश अभियान से भी दूश शहे। वे उपचुनाव में ही नहीं बल्कि पार्टी के पोश्बंदश लोकसभा सीट पश चुनाव अभियान से भी अलग शहे। बताया जाता है कि लाडाणी को हशाने को लेकश चावड़ा के पुत्र ने कथित रूप से बैठक भी की थी औश कांग्रेस उम्मीदवाश के लिए काम भी किया था। हालांकि लाडाणी व मांडविया दोनों चुनाव जीत गए।

चाची से जबर्दस्ती करने वाले भतीजे को चाचा ने पीट पीट कर मार डाला

सूरत (ईएमएस)। पिपोदरा जीआईडीसी के विश्वकर्मा स्थित कंपनी में 26 वर्षीय युवक को उसके दूर के चाचा ने पीट पीट कर मौत के घाट उतार दिर्या आरोप है कि युवक ने चाची के साथ जबर्दस्ती करने की कोशिश की र्थी पुलिस ने युवक की हत्या के आरोप में उसके चाचा को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की मांगरोल तहसील के पिपोदरा जीआईडीसी के विश्वकर्मानगर स्थित जय माताजी नामक टेक्सटाइल में 28 वर्षीय शिवपूजन अरविंद निषाद नामक युवक काम करता है और कंपनी के क्वार्टर में पत्नी के साथ रहता हैं उत्तर प्रदेश का मूल निवासी शिवपूजन निषाद की बीते दिन शादी की सालगिरह र्थी इस मौके पर शिवपूजन ने उत्तर प्रदेश के अपने गांव के निकट रहनेवाले भतीजे 26 वर्षीय शीलू लघु निषाद को बुलाया र्थी साथ में भोजने करने के बाद शीलू अपने चाचा शिवपूजन को मोटर साइकिल पर लिडियात गांव छोड़ने गर्या वहां से लौटने के बाद वापस शिवपूजन के घर पहुंचा और हम उम्र चाची के साथ जबर्दस्ती करने लर्गी शिवपूजन के घर लौटने पर उसकी पत्नी ने शीलू की हरकतों की शिकायत कर दर्ी जिसे सुनकर शिवपूजन का खून खौल उठा और उसने लकड़ी से शीलू की तब तक पिटाई की जब तक कि वह मर नहीं गर्या शीलू की हत्या के बाद शिवपूजन ने कंपनी संचालक को सब कुछ बता दिर्या कंपनी संचालक ने तुरंत कोसंबा पुलिस को वारदात की जानकारी दे दर्ी घटनास्थल पर पहुंची कोसंबा पुलिस ने हत्या के आरोप में शिवपूजन को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की हैं

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद में 'मैसेंजर्स ऑन साइकिल' रैली को प्रस्थान कराया

गांधीनगर 23जून मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अहमदाबाद में एच.एल. कॉलेज ऑफ कॉमर्स कैम्पस से 'मैसेंजर्स ऑन साइकिल' रैली को प्रस्थान कराया। अमेरिकी लेखिका सुश्री हेलेन केलर के 144वें जन्म दिवस पर दिव्यांगों के समर्थन में इस चैरिटी राइड का आयोजन सेन्स इंटरनेशनल इंडिया नामक संस्था द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि सुश्री हेलेन केलर सुप्रसिद्ध अमेरिकी लेखिका हैं जो स्वयं एक दिव्यांग थीं। इसके बावजूद उन्होंने अपने जीवन में न केवल अच्छी शिक्षा हासिल की बल्कि उन्होंने अपने लेखों से पूरे विश्व भर के समाज को प्रभावित भी किया।

'मैसेंजर्स ऑन साइकिल' का आयोजन दसवीं बार हुआ। इसमें दिव्यांगों को उत्साह बढ़ाने के लिए साइकिलिस्ट तथा रनर्स ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अलावा; सामान्य नागरिकों को डीफ ब्लाइंडनेस का अनुभव करा कर जागरूकता बढ़ाने के लिए यहाँ विशेष डीफब्लाइंडनेस जोन भी बनाया गया था।

इस रैली में साइकलिस्ट के लिए 15 किलोमीटर तथा धावकों के लिए 5 किलोमीटर का रूट निर्धारित किया गया था। समग्र रूट पर जल, हाइड्रेशन तथा मेडिकल टीम की व्यवस्था की गई थी। सुप्रसिद्ध अमेरिकी लेखिका सुश्री हेलेन केलर के 144वें जन्म दिवस पर दिव्यांगों के समर्थन मंथ चैरिटी राइड का आयोजन दिव्यांग, साइकिलिस्ट तथा रनर्स ने दिव्यांगों को प्रोत्साहित करने के लिए इस लगातार दसवें वर्ष भाग लिया था।

इस समग्र कार्यक्रम का आयोजन डीफब्लाइंडनेस के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत संस्था सेन्स इंटरनेशनल इंडिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न संस्थाओं के स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में स्वास्थ्य प्रेमी नागरिक रैली में शामिल हुए।

राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पर 3604 पोलियो बूथों पर बच्चों को पिलाई गईं पोलियो की बूंदें

सूरत : राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस के अवसर पर, आज सूरत में 0 से 5 वर्ष की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। महापौर दक्षेश मावानी ने कतारगाम जोन की रेल राहत कॉलोनी की आंगनवाड़ी में बच्चों को पोलियो वैक्सीन की बूंदें पिलाकर इस अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर सूरत शहर स्वास्थ अधिकारी डॉ. उमरीगर और कतारगाम जोनल ऑफिसर एम.डी. चावडा सहित जोन के पार्षद एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर महापौर मावानी ने कहा कि ठयह अभियान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें भारत से पोलियो को पूरी तरह से खत्म करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा। उन्होंने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं।सूरत नगर निगम ने इस अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष की आयु के 6 लाख से अधिक बच्चों को कवर करने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए, शहर में 3604 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहाँ 7728 स्वास्थ्य कर्मी बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए तैनात किए गए हैं।

रविवार 23 जून को पूरे प्रदेश में ठपोलियो रविवारठ के रूप में मनाया गया। इस दिन, स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे। यह अभियान 24, 25 और 26 जून तक चलेगा।

स्वास्थ्य विभाग की अपील

स्वास्थ्य विभाग ने सभी नागरिकों से आग्रह किया है कि वे इस अभियान में अपना योगदान दें और अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलवाएं। पोलियो एक गंभीर बीमारी है जो बच्चों को विकलांग बना सकती है। टीकाकरण ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

राज्य के कई जिलों में मेघा हुआ मेहरबान, कहीं मूशलाधार तो कहीं हुई हलके से मध्यम बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में मानसून धीरे धीरे सक्रिय होने लर्गी 11 जून को दक्षिण गुजरात में दस्तक देककर मानसून जैसे वहीं ठिठक गया र्थी लेकिन अब गुजरात के अन्य जिलों की ओर बढ़ता नजर आ रहा हैं रविवार के दिन राज्य के कई जिलों में बारिश हुई हैं कहीं मूशलाधार तो कहीं हलके से मध्यम बारिश होने की खबर हैं कुछ जिलों में भारी बारिश के चलते लोगों को जलभराव का सामना करना पड़ रहा हैं जानकारी के मुताबिक आज सौराष्ट्र के अमरेली, गिर सोमनाथ, बोटाद में जमकर बारिश हो रही है। दक्षिण गुजरात के भरूच में भी मूसलाधार बारिश हुई हैं भारी बारिश के कारण शहर के निचले इलाकों में पानी भर गया हैं अमरेली जिले के सावरकुंडला शहर में भारी बारिश हुई हैं सावरकुंडला में तेज हवा और मूसलाधार बारिश के कारण सड़के नालों में तब्दील हो गई हैं सावरकुंडला के नेसडी, बरडा, रामगढ़, कानातलाव सहित गांवों में भी बारिश हुई हैं अमरेली के खांभा, राजुला और जाफराबाद डिवीजन में भारी बारिश हो रही है। खांभा के ग्रामीण इलाकों में बारिश हुई हैं असहनीय गर्मी के बाद राजुला में मूसलाधार बारिश से माहौल ठंडा हो गया है और लोगों को गर्मी से राहत मिली हैं अच्छी बारिश होने से किसान खुश हैं। बोटाद शहर और ग्रामीण इलाकों में बारिश हुई हैं गिर-सोमनाथ के माहौल में बदलाव हुआ हैं गिर सोमनाथ जिले कोडिनार, ऊना के ग्रामीण इलाकों में गरज के साथ बारिश हुई है। सीजन की पहली सामान्य बारिश ने वातावरण में ठंडक घोल दी है। वेरावल-सुत्रापाड़ा और तलाला के ग्रामीण इलाकों में बारिश हुई हैं सुरेंद्रनगर, ध्रांगध्रा और सायला तहसील में मौसम बदला और झमाझम बारिश शुरू हो गईं ध्रांगध्रा शहर और सायला तालुक के ग्रामीण इलाकों में बारिश हुई है। बारिश होने से कपास समेत अन्य फसलों की अग्रिम बुआई को फायदा होने से किसानों में खुशी का माहौल है। राजकोट जिले की गोंडल तहसील के ग्रामीण इलाकों में बारिश हो रही हैं मोरबी के हलवद तहसील में भी बारिश होने की खबर हैं हलवद के ग्रामीण इलाकों में बारिश होने से गर्मी से राहत मिली है। पोरबंदर जिले के लोग पिछले चार-पांच दिनों से भीषण उथल-पुथल और अकाल का सामना कर रहे र्थे

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर से राज्यव्यापी पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ कराया

स्वास्थ्य कर्मचारी 24 और 25 जून के दौरान घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगे

गांधीनगर 23जून:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने 'बाल लकवा निर्मूलन अभियान 2024' के अंतर्गत 23 जून नेशनल इम्यूनाइजेशन डे पर रविवार को गांधीनगर से राज्यव्यापी पल्स पोलियो रोधी टीकाकरण का प्रारंभ कराया।

राज्य के स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष आयु समूह के 83 लाख 72 हजार से अधिक बच्चों को पोलियो टीके की खुराक पिलाई जाएगी। इसके लिए 1 लाख 33 हजार 956 स्वास्थ्य कर्मचारी सेवारत रह कर राज्य के 33,489 पोलियो बूथों से बच्चों को पोलिया टीके की खुराक पिलाने के कार्य में जुड़ेंगे।

समग्र राज्य में 23 जून, 2024 रविवार को पोलियो रविवार के रूप में मनाते हुए यह अभियान शुरू किया गया है। 24 व 25 जून को स्वास्थ्य कर्मचारी घर-घर जाकर 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो टीके की खुराक पिलाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को गांधीनगर में मंत्री निवास परिसर स्थित कम्युनिटी सेंटर में बच्चों को पोलियो टीके की बूंदें पिला कर इस अभियान का सांकेतिक शुभारंभ कराया।

'बाल लकवा निर्मूलन अभियान 2024' के अंतर्गत राज्य के 5 वर्ष तक के 83.72 लाख बच्चों को पोलियो की टीके खुराक पिलाई जाएगी इस अवसर पर गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव श्री धनंजय द्विवेदी, बच्चों के माता-पिता एवं स्वास्थ्य अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर गुजरात को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दी बड़ी भेंट

गांधीनगर 23जून:मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के रोड नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर को अधिक सुदृढ़ करने तथा यातायात के लिए सरल बनाने के उद्देश्य से उत्तर गुजरात में राज्य राजमार्ग संख्या 55 पर दो नए पुलों के निर्माण के लिए 399 करोड़ रुपए की सैद्धांतिक स्वीकृति दी है।

श्री पटेल ने सड़क एवं भवन विभाग को राज्य में पुराने-जर्जर पुलों व सड़कों के पुनर्निर्माण, सुदृढ़ीकरण एवं स्ट्रक्चर्स की मरम्मत शुरू कर समयानुकूल रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए पहले ही दिशा-निर्देश दे रखे हैं। तद्अनुसार; मुख्यमंत्री ने उत्तर गुजरात में राज्य राजमार्ग संख्या 55 पर राधनपुर-चाणस्मा रोड स्थित राधनपुर के निकट बनास नदी पर 179 करोड़ रुपए की लागत से नए फोर लेन पुल के निर्माण को सैद्धांतिक अनुमति दी है।

चाणस्मा को सीमावर्ती क्षेत्र राधनपुर से जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर गोचनाद गाँव के निकट बनास नदी पर पुल विद्यमान है। यह पुल वर्ष 1965 में यानी 59 वर्ष पहले बना हुआ है। इस पुराने पुल का लाइफस्पैन पूरा हो जाने के कारण मुख्यमंत्री ने सड़क सुरक्षा एवं भविष्य के बढ़ते जा रहे वाहन यातायात को ध्यान में लेकर नए फोर लेन पुल के निर्माण के सड़क एवं भवन विभाग के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है।

इस नए पुल का मौजूदा पुल के बराबर में निर्माण होगा तथा इस पुल के बनने से मौजूदा यातायात बोझ के बोटलनेक का निवारण किया जा सकेगा। इससे लगभग 40 लाख लोगों को परिवहन में सरलता होगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इसके अलावा उत्तर गुजरात में अन्य एक पुल के निर्माण को भी सैद्धांतिक स्वीकृति दी है। इसके अंतर्गत मेहसाणा-हिंमतनगर फोर लेन राज्य राजमार्ग संख्या 55 पर साबरमती नदी पर देरोल में लगभग 220 करोड़ रुपए की लागत से नए सिक्स लेन पुल का निर्माण शुरू किया जाएगा।

मेहसाणा को हिंमतनगर के साथ जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण मार्ग पर देरोल गाँव के निकट साबरमती नदी पर हाल में जो पुल कार्यरत है, वह वर्ष 1966 में यानी 58 वर्ष पहले बना हुआ है। इतना ही नहीं, हाल में द्विमार्गीय पुल होने के फलस्वरूप यातायात जैम के चलते परिवहन पर प्रभाव पड़ता है।

इस मौजूदा पुल का लाइफस्पैन पूरा हो जाने के कारण तथा सड़क सुरक्षा एवं यातायात को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सिक्स लेन पुल के निर्माण को अनुमति दी है। इस पुल का निर्माण होने से आसपास के क्षेत्र के लगभग 50 लाख लोगों को परिवहन में आसानी होगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में सुदृढ़ तथा मजबूत रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर के उद्देश्य से पुराने पुलों के पुनर्निर्माण, सड़कों, पुलों, नालों के सुदृढ़ीकरण, स्ट्रक्चर्स मरम्मत के कार्यों के लिए सड़क एवं भवन विभाग को अनुदान आवंटित करने का दृष्टिकोण अपनाया है।

इस संदर्भ में राज्य में अब तक 19 पुलों के पुनर्निर्माण के लिए 113.64 करोड़ रुपए, 126 पुलों के सुदृढ़ीकरण के लिए 166.77 करोड़ रुपए तथा 2188 पुलों, नालों व सड़कों के स्ट्रक्चर्स की मरम्मत के लिए 2367 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।

दुष्कर्म के इरादे से बच्ची का अपहरण किया, श्वान के कारण हवस का शिकार होने से बच गई

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के वस्त्रापुर क्षेत्र से एक श्रमिक परिवार की 2 साल की बच्ची का 21 जून की रात एक शख्स ने अपहरण कर लिर्या अपहरण के बाद शख्स बच्ची को लेकर वस्त्रापुर तालाब पहुंचर्ा जहां बच्ची के रोने और उसके रोने की आवाज सुनकर आसपास के श्वान भौंकने लर्गे श्वानों के भौंकने पर लोगों के जमा होने के डर से शख्स बच्ची को वहीं छोड़कर भाग निकलर्ा हांलाकि 36 घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस ने आज तड़के आरोपी शख्स को सेटेलाइट क्षेत्र की होटल मेरियोट के निकट से दबोच लिर्या जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद वस्त्रापुर क्षेत्र में फूटपाथ पर पाटन जिले का मूल निवासी परिवार मजदूरी कर जीवनयापन करता हैं दिनभर मजदूरी कर थका श्रमिक दंपत्ति अपनी दो बेटियों के साथ गत 21 जून की रात में फूटपाथ पर खटिया बिछाकर सो रहा र्था उस वक्त कोई अज्ञात शख्स दो साल की मासूम बच्ची को उठा ले गर्या रात में पिता की जब नींद टूटी तो एक बेटी को लापता देख उन्होंने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर दिर्या बेटी के लापता होने की खबर मिलते ही वस्त्रापुर पुलिस हरकत में आ गईं हांलाकि इस बीच पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली की एक छोटी बच्ची वस्त्रापुर तालाब के निकट मिली हैं वस्त्रापुर तालाब से मिली बच्ची श्रमिक परिवार की ही र्थी बच्ची के सुरक्षित मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी पकड़ने के लिए घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फूटेज खंगालने शुरू कर दिर्एं करीब 36 घंटों की मशक्कत के बाद पुलिस को आरोपी शख्स के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिर्ली बच्ची का अपहरण करनेवाला अहमदाबाद के सेटेलाइट क्षेत्र की होटल मेरियोट समेत दो पांच सितारा होटलों में बर्तन साफ करने का काम करता है और बिहार के सीतामढ़ी जिले के मूल निवासी विजय महतो हैं इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने विजय महतो को होटल मेरियोट से दबोच लिर्या पूछताछ में खुलासा हुआ कि विजय महतो ने दुष्कर्म के इरादे से मासूम बच्ची का अपहरण किया र्था अपहरण के बाद बच्ची को लेकर वस्त्रापुर तालाब पहुंचर्ा जहां विजय बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाए उससे पहले बच्ची जोर जोर से रोने लर्गी बच्ची के रोने की आवाज सुनकर आसपास के श्वान भौंकने लगे और घटनास्थल की ओर बढ़ने लर्गे दूसरी बच्ची के लगातार रोने की आवाज सुनकर सिक्युरिटी गार्ड में भी उसी दिशा में बढ़ने लर्गे पकड़े जाने के डर से विजय महतो ने बच्ची को वहां छोड़ दिया और फरार हो गर्या हांलाकि पुलिस ने 36 घंटों के भीतर ही उसे गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरू की हैं

गुजरात में आज से भारी बारिश का पूर्वानुमान, दक्षिण गुजरात में 4 से 8 ईंच तक होगी बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस)। मौसम के जानकार अंबालाल पटेल के पूर्वानुमान के मुताबिक 24 जून से 26 जून तक राज्य में भारी से बहुत भारी बारिश होगी। अंबालाल के मुताबिक दक्षिण गुजरात के आहवा, डांग, वलसाड में 7 से 8 इंच बारिश होगी। जबकि दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, तापी में 4 से 5 इंच बारिश हो सकती है। वहीं सौराष्ट्र के जूनागढ़, गिर सोमनाथ में भारी बारिश की संभावना हैं मध्य गुजरात के कुछ हिस्सों में अगले तीन दिनों तक अच्छी बारिश होगी। उत्तरी गुजरात में भी करीब 1 इंच बारिश हो सकती है। देश के पश्चिमी तट पर बहुत भारी बारिश हो सकती हैं जुलाई के प्रथम सप्ताह में बंगाल की खाड़ी का संवहन सक्रिय हो जाता है। इसलिए जुलाई के पहले सप्ताह में राज्य के अधिकांश जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती हैं

रेलवे 1250 मेल और एक्सप्रेस रेलगाड़ियों में अतिरिक्त कोच लगाने की तैयारी कर रहा है

केंद्र सरकार मेल और एक्सप्रेस ट्रेन में सामान्य श्रेणी कोच (जनरल कोच) की संख्या बढ़ाने जा रही है। इसके तहत 2500 सामान्य कोच का अतिरिक्त उत्पादन करने का फैसला किया गया है। इस फैसले से आम जनता को राहत मिलेगी। इससे सामान्य बोगियों में सालाना अतिरिक्त 18 करोड़ से अधिक यात्री सफर कर सकेंगे। रेलवे बोर्ड ने 2500 सामान्य श्रेणी के अतिरिक्त कोच उत्पादन का फैसला किया है। कोच रेलवे के प्रति वर्ष कोच उत्पादन प्रोग्राम के अतिरिक्त होंगे। मेल एक्सप्रेस व सुपरफास्ट ट्रेन में सामान्य कोच आमतौर पर दो से चार के बीच में होते हैं। योजना के मुताबिक जिन ट्रेन में दो कोच हैं, उनमें इनकी संख्या चार की जाएगी। जिन में कोई सामान्य श्रेणी के कोच नहीं हैं, उनमें दो कोच लगाए जाएंगे।

इस प्रकार दो कोच के हिसाब से 1250 मेल और एक्सप्रेस ट्रेन में 2500 कोच को लगया जाएंगे। कोच की डिजाइन 150 से 200 यात्री क्षमता के अनुसार होगी। इससे प्रतिदिन 2500 कोच में पांच लाख अतिरिक्त आम यात्री सफर कर सकेंगे। यानी मेल-एक्सप्रेस ट्रेन की इन सामान्य कोच में अतिरिक्त 18 करोड़ 25 लाख से अधिक यात्री ले जाने की सालाना क्षमता हो जाएगी। यह सभी कोच चालू वित्तीय वर्ष में बनकर तैयार हो जाएंगे। 1377 स्लीपर श्रेणी के कोच भी बनेंगे।

रेलवे ने पिछल एक दशक में कोच उत्पादन क्षमता में तेजी से वृद्धि की है। वित्तीय वर्ष में 2014-15 में 555 एलएचबी (कुल 3045 कोच) कोच का उत्पादन किया गया था। जबकि 2023-24 में 7,151 कोच का उत्पादन करने का लक्ष्य रखा है। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में 8692 कोच उत्पादन किया जाएगा। इसमें 50 अमृत भारत ट्रेन (पुल-पुश तकनीक) के लिए एसी-नॉन एसी कोच बनेंगे। वंदे भारत ट्रेन के लिए 1600 कोच का उत्पादन किया जाएगा।

अग्निकांड के पीड़ित पशिवाशों से वीडियो कांफ्रेंस से की बात

अहमदाबाद, २३ जून। शजकोट में कांग्रेस नेता शहुल गांधी ने शनिवाश को शजकोट गेमज़ोन अग्निकांड के पीड़ित पशिवाशों से बातचीत की।

वीडियो कांफ्रेंस के मार्फत बातचीत के दौशन उन्होंने पीड़ित पशिवाशों की व्यथा सुनीं। पीड़ित पशिवाशों ने शहुल को बताया कि अग्निकांड की घटना को एक माह हो गया है, लेकिन अब तक उन्हें न्याय नहीं मिला है। न्याय के लिए उन्हें आंदोलन कश्ने पड़े हैं। पशिजनों ने इस मामले में उचित न्याय की मांग की।शहुल ने पीड़ित पशिवाशों से बातचीत कश पूशी स्थिति की जानकाशी ली औश उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस न्यायिक लड़ाई में कांग्रेस उनके साथ है। हम सशकाश पश निष्पक्ष जांच औश उचित मुआवजे के लिए दबाव बनाएंगे। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौशन पीड़ित पशिवाश के सदस्य भावुक भी हो गए। आधे घंटे तक चली इस वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौशन गुजशात कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल, प्रभाशी मुकुल वासनिक, विधायक जिग्नेश मेवाणी, कांग्रेस सेवा दल के लालजी देसाई भी शामिल शहे।

ज्ञात हो कि गत २५ मई को शजकोट गेमजोन अग्निकांड में २७ लोग माशे गए थे। इस दुखद घटना का २५ जून को एक माह पूश होगा। कांग्रेस ने इसे लेकश शजकोट बंद का ऐलान किया है। कांग्रेस ने पिछले दिनों तीन दिनों तक इस अग्निकांड में न्याय दिलाने को लेकश अनशन कार्यक्रम भी किया था।

हर कुशल भारतीय प्रोफेशनल एक चेंजमेकर और भारत का एम्बेसडर हैः जयन्त चौधरी

स्किल इंडिया इंटरनेशनल के तहत जर्मन लैंग्वेज ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा करने पर 32 युवा हेल्थकेयर प्रोफेशनल को सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, 22 जून, 2024 :केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यम शीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीजयंतचौधरीने भारतीय नर्सों को ग्लोबल करियर के अवसरों से सशक्त बनाने के लिए जर्मन लैंग्वेज ट्रेनिंग के बी1 लेवल को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आज 32 हेल्थकेयर प्रोफेशनल को सम्मानित किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य नर्सों को जर्मनी में सफल करियर और आजीविका के लिए आवश्यक भाषा कौशल से सुसज्जित करना है।

इस अवसर पर, श्री जयन्त चौधरी ने कहा, ठभारत के पास बहुत बड़ा जनसांख्यिकीय लाभांश है, जो हमारे देश और ग्रामीण क्षेत्रों को 2047 तक एक विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने की दिशा में एक स्पष्ट रास्ता है। इसके साथ ही, आज दुनिया में कौशल की कमी भी बढ़ रही है।सिकुड़ती ग्लोबल इकोनॉमी में भी, 2030 तक दुनिया में लगभग 8.5 करोड़ अवसर होंगे। और इनमें से कितने अवसरों को हमारे महत्वाकांक्षी युवा प्रोफेशनल लोग हासिल कर पाते हैं, यही हमारी अर्थव्यवस्था का भविष्य तय करेगा।''

अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली इन 15 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे विस्तुारित

अहमदाबाद (ईएमएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी मांग को पूरा करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर अहमदाबाद मण्डल से चलने/होकर गुजरने वाली 15 जोड़ी स्पेकशल ट्रेनों के फेरे विस्तासरित किए गए हैं। इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 27 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 25 जुलाई, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। ट्रेन संख्याा 09415 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 27 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 25 जुलाई, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। ट्रेन संख्या 09493 अहमदाबाद-पटना साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 30 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 28 जुलाई, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। ट्रेन संख्या 09494 पटना-अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 2 जुलाई, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 30 जुलाई, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। 3.ट्रेन संख्या 09425 साबरमती-हरिद्वार द्वि-साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 14 जून,2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 24 जून से 29 जुलाई,2024 तक बढ़ा दिया गया है।ट्रेन संख्या 09426 हरिद्वार-साबरमती द्वि-साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 15 जून,2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 25 जून से 30 जुलाई,2024 तक बढ़ा दिया गया है। 4.ट्रेन संख्याअ 09456 भुज-गांधीनगर केपिटल डेली स्पेशल जिसे पहले 30 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। ट्रेन संख्याा 09455 गांधीनगर केपिटल-भुज डेली स्पेशल जिसे पहले 30 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। 5.ट्रेन संख्या 09417साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 24 जून,2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 30 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। ट्रेन संख्या 09418 साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 25 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 1 अक्टूबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। 6. ट्रेन संख्या 09407 भुज-दिल्ली सराय रोहिल्ला द्वि-साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 28 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 27 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। ट्रेन संख्या 09408 दिल्ली सराय रोहिल्ला-भुज द्वि-साप्ताहिक स्पेशल जिसे पहले 29 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 28 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। 7.ट्रेन संख्यास 09557 भावनगर टर्मिनस-दिल्ली कैंट साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 28 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 27 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। ट्रेन संख्या 09558 दिल्ली %ह्छ्र-ँछ्ॐद्र* टर्मिनस साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 29 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 28 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है। 8.ट्रेन संख्याअ 09405 साबरमती-पटना साप्ताहिक स्पेशल, जिसे पहले 25 जून, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, अब उसे 24 सितंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95